संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -156 शनिवार ,08 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

विपक्षी दलों की जेपीसी की मांग सही नहीं

सुप्रीम कोर्ट की समिति ज्यादा विश्वसनीय,हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर पवार का बयान

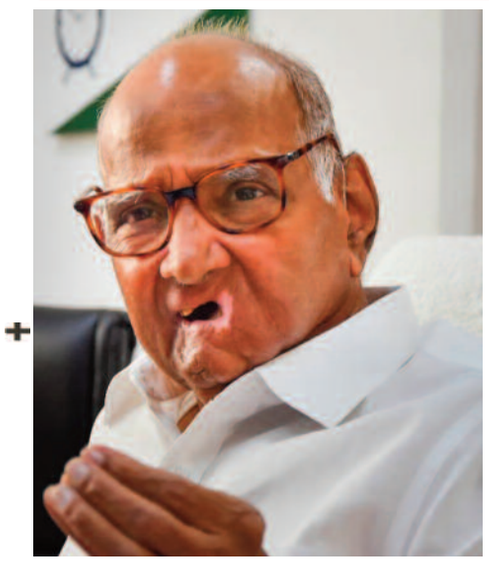

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2023 (ए)।अडानी मुद्दे को लेकर संसद के बजट सत्र में खूब हंगामा हुआ। विपक्षी दल संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी की मांग पर अड़े रहे, लेकिन सरकार ने उनकी बात नहीं मानी और आखिरकार सत्र खत्म भी हो गया। अब इस पूरे मामले में प्रमुख विपक्षी दलों में से एक एनसीपी के अध्यक्ष शरद पवार का बयान सामने आया है।

शरद पवार ने विपक्ष की जेपीसी वाली मांग को गैरजरूरी बताया। उन्होंने कहा कि सबको पता है कि जेपीसी में सरकार का बहुमत रहेगा, ऐसे में संसदीय समिति कभी भी मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का ही विकल्प सबसे अच्छा है।

पवार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक समिति बनाई, जिसमें रिटायर जज, एक एक्सपर्ट, एक प्रशासक और एक अर्थशास्त्री थे। उन्हें एक समय सीमा दी गई, जिसमें जांच करनी थी। दूसरी ओर विपक्ष चाहता था कि जेपीसी इसकी जांच करे। अगर जेपीसी बन भी जाती तो वो सरकार की निगरानी में काम करती। ऐसे में सच्चाई कैसे सामने आती। एक बात साफ है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी बना दी थी, तो इस मांग की कोई जरूरत नहीं थी।

पवार ने आगे कहा कि मुझे नहीं पता इस मांग के पीछे कांग्रेस की क्या मंशा थी? बस मुझे ये पता की सर्वोच्च अदालत की समिति काफी महत्वपूर्ण थी। उन्होंने ये भी साफ किया कि जिस तरह से राहुल गांधी बड़े बिजनेस घरानों पर निशाना साधते हैं, वो उससे सहमत नहीं हैं।

जब टाटा-बिड़ला पर बरसते थे पवार

उन्होंने कहा कि ऐसा इस देश में कई सालों से होता आ रहा है। मुझे याद है कि कई साल पहले जब हम राजनीति में आए थे तो सरकार के खिलाफ बोलना होता था तो टाटा-बिड़ला के खिलाफ बोलते थे। निशाना कौन था? टाटा-बिड़ला। अब पता चलता है कि उन्होंने देश के लिए कितना योगदान दिया है। आज टाटा-बिड़ला का नाम सबसे आगे नहीं है, अलग-अलग टाटा-बिड़ला सरकार के सामने आ चुके हैं, इसलिए इन दिनों अगर सरकार पर हमला करना हो तो अंबानी और अडानी का नाम लिया जाता है।

कई सेक्टर में अंबानी का योगदानः पवार

पवार ने कहा कि जिन लोगों (अडानी-अंबानी जैसे बिजनेसमैन) को आप निशाना बना रहे, अगर उन्होंने कुछ गलत किया है, तो आपको 100 प्रतिशत अधिकार बोलने का है, लेकिन बिना किसी मतलब के हमला करना, ये मेरी समझ में नहीं आता। आज अंबानी पेट्रोकेमिकल, बिजली समेत कई क्षेत्रों में योगदान दे रहे। क्या देश को इन सब चीजों की जरूरत नहीं है। ये ऐसे लोग हैं जो इस तरह की जिम्मेदारी लेते हैं और इसके लिए काम करते हैं। अगर उन्होंने गलत किया है तो आप हमला कीजिए, लेकिन उन्होंने ये इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया है, उनकी आलोचना करना मुझे ठीक नहीं लगता।

एसएससी पेपर लीक मामला

जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा हुए तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष

करीमनगर,07 अप्रैलल 2023 (ए)। भाजपा प्रमुख और सांसद बंदी संजय,जिन्हें गुरुवार को एसएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में जमानत मिली थी, शुक्रवार को करीमनगर जिला जेल से बाहर आए। रिहा होने के तुरंत बाद संजय को एक स्थानीय मंदिर में पूजा-अर्चना करते देखा गया।

अदालत ने उसे वारंगल में एक मजिस्ट्रेट की अदालत से 20,000 रुपये की ज़मानत की शर्त पर रिहा कर दिया। कोर्ट ने यह शर्त भी रखी कि बंदी संजय कुमार देश छोड़कर न जाएं, जांच में सहयोग करें और गवाहों को धमकाएं नहीं।

करीमनगर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद बंदी संजय कुमार को पुलिस की एक टीम ने मंगलवार आधी रात को करीमनगर शहर में उनके आवास से उठा लिया और शुरू में उन्हें एहतियातन गिरफ़्तार कर लिया गया। बाद में उन्हें मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया और माध्यमिक विद्यालय परीक्षा के प्रश्नपत्रों के लीक होने पर शहर की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, सरकार को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर दो प्रश्नपत्रों की तस्वीरें सामने आने के बाद, बांदी संजय कुमार ने अफ्वाह फैलाने और चल रही एसएससी सार्वजनिक परीक्षा की शांति भंग करने के इरादे से अन्य आरोपियों के साथ साजिश रची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय प्रमुख जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सहित कई शीर्ष भाजपा नेताओं ने जेल से रिहा होने के बाद तेलंगाना भाजपा प्रमुख से संपर्क किया। तरुण चुघ और सुनील बंसल सहित पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं ने भी उनसे बात की।

भोजपुरी गायक समर सिंह गाजियाबाद से गिरफ्तार

» आकांक्षा दुबे आत्महत्या मामला

गाजियाबाद,07 अप्रैलल 2023(ए)। भोजपुरी गायक समर सिंह को वाराणसी व गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की क्राइम ब्रांच ने नंदग्राम थाना इलाके में राज नगर एक्सटेंशन इलाके की हाई राइज कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। उस पर भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

समर सिंह नंदग्राम थाना क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन स्थित चार्म्स क्रिस्टल सोसायटी में छिपा था। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वह गाजियाबाद, नोएडा, दिल्ली और उत्तराखंड में लगातार ठिकाने बदल-बदल कर रह रहा था।

26 मार्च को आकांक्षा सारनाथ क्षेत्र के बुद्धा सिटी कॉलोनी स्थित एक होटल के कमरा नंबर 105 में मृत मिली। वह अपने बेड पर बैठी हुई थी और उनके गले पर पंखे के हुक के सहारे दुपट्टे का फंदा था। इसके बाद आकांक्षा दुबे की मां ने समर सिंह पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि समर चाहता था कि आकांक्षा सिर्फ उसके साथ ही फिल्म और गाने में काम करे। काम करने पर वह पैसे भी नहीं देता था। किसी और के साथ काम पर जाती थी तो उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था और मारता-पीटता था।

उन्होंने भोजपुरी गायक समर सिंह और उनके भाई संजय सिंह पर प्रताड़ित करने समेत अन्य आरोप लगाकर तहरीर दी थी, जिसके बाद पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। समर सिंह मूलरूप से आजमगढ़ के मेंहनगर का रहने वाला है। आकांक्षा दुबे की मौत के बाद से वह फरार था। तभी से पुलिस उसको तलाश रही थी।

ट्रेन में आग लगाने का आरोपी न्यायिक हिरासत में

कोझिकोड ,07 अप्रैलल 2023(ए)। केरल के कोझिकोड में चलती ट्रेन में यात्रियों पर पेट्रोल छिड़कर आग लगाने के आरोपी शाहरुख सैफी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मुंसिफ मजिस्ट्रेट जज ने कहा कि आरोपी शाहरुख सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सा उपचार के अधीन रहेगा। बता दें कि मामले में आगे की कार्रवाई के लिए शहर के पुलिस आयुक्त राजपाल मीणा और मुंसिफ मजिस्ट्रेट जज

सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे, जहां कोझिकोड ट्रेन अग्निकांड का आरोपी शाहरुख सैफी भर्ती है। आरोपी शाहरुख को महाराष्ट्र की एटीएस ने केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए की सहायता से गिरफ्तार किया था। उसे महाराष्ट्र के रत्नागिरी से पकड़ गया था। इसके बाद एटीएस ने आरोपी को केरल पुलिस को सौंप दिया। जांच एजेंसी का कहना है कि इस घटना के पीछे कोई आतंकी साजिश भी हो सकती है।

राघोपुर में लगी भीषण आग

» दो सिलेंडर फटने से दहला इलाका;

» 96 घर जलकर राख,

» एक दर्जन मवेशी भी झुलसकर मरे

राघोपुर (वैशाली),07 अप्रैलल 2023 (ए)। राघोपुर प्रखंड अंतर्गत जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के विरपुर पंचायत के वार्ड नौ में अचानक एक घर में आग लग जाने से करीब 96 घर जल कर राख हो गए।

घटना शुक्रवार की दोपहर लगभग एक बजे की है। अगलगी के दौरान घर में रखा दो गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। सिलेंडर ब्लास्ट के धमाके से पूरा क्षेत्र दहल गया।

आवाज सुनकर घटनास्थल पर आसपास के सैकड़ों लोग जुट गए। घटना उस दौरान घटी जब मोहल्ले के सभी लोग गेहूं काटने खेत गए हुए थे।

सूचना मिलते ही राघोपुर बीडीओ ललन चौधरी व राजस्व पदाधिकारी मोहन कुमार शर्मा, पूर्व विधायक सतीश कुमार, राजद नेता सुबोध राय, राजीव सिंह, मुखिया प्रतिनिधि विद्यासागर राय आदि लोग घटनास्थल पर पहुंचे। बीडीओ एवं राजस्व पदाधिकारी ने अग्नि पीड़ित परिवार से बात कर घटना से संबंधित जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की दोपहर लगभग एक बजे मिश्री महतो के घर में अचानक आग लग गई। इस दौरान घर के सभी लोग घर से बाहर गेहूं काटने गए थे। आग लगने की सूचना पर सभी गेहूं काटने का काम छोड़कर दौड़े-दौड़े अपने घर पहुंचे। लेकिन आग की लपटें देख किसी ने घर से कुछ समान निकालने की हिम्मत नहीं जुटाई।

डेढ़ घंटे बाद पहुंची दमकल की गाड़ी

आग ने धीरे-धीरे विकराल रूप ले लिया और आसपास के 96 घरों को अपने आगोश में ले लिया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना जुड़ावनपुर थाना के दमकल कर्मियों को दी।

सूचना के लगभग डेढ़ घंटे बाद मौके पर दमकल की गाड़ी पहुंची, तब तक घर एवं घर का सारा सामान जल चुका था।

इस घटना में चौकी, बर्तन, बक्सा, कुर्सी, जरूरत के कागजात कपड़ा, जेवर एवं नगद रुपए, जरूरी कागजात जल गए।

अगलगी में नरेश महतो के 20 हजार रुपये नकद एवं कंटू महतो के 80 हजार रुपये नकद समेत कई लोगों के रुपये एवं कीमती सामान जल गए। अगलगी की घटना में इन लोगों के जल गए घर अगलगी की इस घटना में मिश्री महतो, नरेश महतो खिजन महतो, नीतीश महतो, जगत महतो, राजेंद्र महतो, धर्मेंद्र महतो, जितेंद्र महतो, मंटू महतो, गनोड़ी महतो, खीना महतो, लगन देव महतो, उदय महतो, ननक महतो, सुरेश महतो, सकिद्र महतो, सनोज महतो, मनोज महतो, बुधन महतो का घर जला है।

अमीर और अमीर होता जाता है,गरीब और गरीबः सिब्बल

» मोदी के सामाजिक न्याय पर कपिल का तंज

नई दिल्ली,07 अप्रैलल 2023(ए)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को सामाजिक न्याय के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर कटाक्ष किया। उन्होंने दावा किया कि इस सरकार के तहत अमीर अमीर हो जाते हैं और गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पार्टी के 44वें स्थापना दिवस पर भाजपा के सदस्यो संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मुफ्त राशन योजना, स्वास्थ्य बीमा और अन्य कल्याणकारी उपायों का हवाला देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय भाजपा के लिए विश्वास का एक लेख था, जबकि अन्य दलों ने समाज की मदद किए बिना विशेष परिवारों के हितों को आगे बढ़ाने के लिए तख्ती का इस्तेमाल किया।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि जहां भाजपा ने सोचा और बड़ा सपना देखा और फिर

इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए खुद को समर्पित करने के लिए तैयार हो गई, वहीं विपक्षी दल छोटे लक्ष्य निर्धारित कर सकते थे और छोटे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे की पीठ थपथपा सकते थे।

एक ट्वीट में सिब्बल ने कहा कि पीएमः 'बीजेपी सामाजिक न्याय के लिए जीती है और अक्षरशः इसका पालन करती है।' तथ्यः 1) 2012-2021 से बनाई गई संपत्ति का 40 प्रतिशत केवल 1 प्रतिशत आबादी के पास गया 2) 2022 में अडानी की संपत्ति में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई 3) 64 प्रतिशत जीएसटी नीचे के 50 प्रतिशत से आया; 4 फीसदी टॉप 10 फीसदी से आए।

यूपीए 1 और 2 के दौरान केंद्रीय मंत्री रहे सिब्बल ने पिछले साल मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और समाजवादी पार्टी के समर्थन से एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने हाल ही में अन्याय से लड़ने के उद्देश्य से एक गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ' शुरू किया है।

राहुल गांधी के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल गलतःअशोक गहलोत

जयपुर ,07 अप्रैलल 2023(ए)। राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत काफी एक ट्वीट सामने आया है। अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा है कि सोचा नहीं था कि ये दोनों राहुल गांधी के खिलाफ इतने नीचे स्तर की भाषा बोलने लगेंगे। भारत में राहुल गांधी को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। हाल में ही भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी पर कुछ सवाल उठाए थे। इसके साथ ही कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद ने भी राहुल गांधी को निशाना बनाया था। अब इसी के बाद कांग्रेस की ओर से दोनों नेताओं पर तीखा प्रहार किया जा रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत काफी एक ट्वीट सामने

आया है। अशोक गहलोत ने साफ तौर पर कहा है कि सोचा नहीं था कि ये दोनों राहुल गांधी के खिलाफ इतने नीचे स्तर की भाषा बोलने लगेंगे।

अपने ट्वीट में अशोक गहलोत ने लिखा कि श्री गुलाम नबी आजाद एवं श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया श्री राहुल गांधी के खिलाफ ऐसी निम्नस्तरीय भाषा बोलने लगेंगे ये किसी ने सोचा नहीं था। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता थक चुके हैं क्योंकि राहुल गांधी इतने हमलों के बावजूद जनता की आवाज उठाने से पीछे नहीं हटे हैं। गहलोत ने आगे कहा कि इसलिए कांग्रेस से गए इन नेताओं को टास्क दिया गया है। ये सब जिंदगीभर जिस विचारधारा से लड़ने की कसमें खाते थे आज भाजपा नेताओं के इशारे पर उसी फासीवादी विचारधारा के साथ खड़े हो गए हैं।

भाजपा जल्द ही जारी करेगी उम्मीदवारों की सूची

» सीईसी की बैठक से पहले बोले येदियुरप्पा

बेंगलुरु,07 अप्रैलल 2023(ए)। कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा जल्द ही पार्टी उम्मीदवारों के नाम की सूची जारी करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी जल्द ही विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देगी। मालूम हो कि कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने है।

बता दें कि बीएस येदियुरप्पा आज कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के साथ भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले कहा कि पार्टी जल्द ही 224 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देगी।

ओवैसी की पार्टी से भाजपा को नहीं पड़ेगा प्रभावः येदियुरप्पा

असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम की कर्नाटक में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के साथ चुनाव लड़ने की योजना और अगर वे जेडीएस में शामिल हुए तो नतीजों पर असर पड़ेगा, इस पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ÷यह यह उन पर निर्भर है और यह भाजपा को प्रभावित नहीं करने वाला है।

संशोधित घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशा-निर्देश मंजूर होने से उपभोक्ताओं को मिलेंगे कई लाभः पीएम मोदी

नई दिल्ली,07 अप्रैलल 2023(ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा संशोधित घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों को मंजूरी दिए जाने से

उपभोक्ताओं के लिए कई लाभ होंगे और यह इस क्षेत्र के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम है।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक महत्वपूर्ण फैसला करते हुए बुधवार को संशोधित घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देशों को मंजूरी दे दी। नए दिशानिर्देशों के तहत अब प्राकृतिक गैस की कीमत भारतीय कच्चे तेल के दाम के मासिक औसत का 10 प्रतिशत होगी। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, संशोधित घरेलू गैस मूल्य निर्धारण से संबंधित मंत्रिमंडल के निर्णय से उपभोक्ताओं के लिए कई लाभ हैं।

किरण कुमार रेड्डी भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली,07 अप्रैलल 2023(ए)। अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता किरण कुमार रेड्डी ने भाजपा का दामन थाम लिया । दक्षिण भारत में लगातार कांग्रेस पार्टी कमजोर होती जा रही है क्योंकि पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने भी भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। किरण रेड्डी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में विकास की गंगा बह रही है। रेड्डी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अगुवाई में पार्टी के एक आम कार्यकर्ता के रूप में जनता की सेवा करूंगा । किरणह रेड्डी को बीजेपी के महासचिव पहलाद जोशी

के लक्ष्मण और आंध्र प्रदेश के महामंत्री विष्णु वर्धन ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई। अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीतियों से प्रभावित होकर किरण रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी में आकर जनता की सेवा करने का मन बनाया है। किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र की अगुवाई में जिस तरह से देश में विकास कार्य हो रहे हैं जल्द ही भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। किरण रेड्डी तेलंगाना राज्य घोषित होने के बाद कांग्रेस पार्टी का दामन छोड़ दिया था और उन्होंने उस समय अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी पार्टी का गठन कर लिया था लेकिन 2018 में कांग्रेस में उनकी फिर से वापसी हो गई थी।

प्रधानमंत्री मोदी शिक्षा का महत्व नहीं समझते

नई दिल्ली,07 अप्रैलल 2023(ए)। जेल में बंद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया ने देशवासियों को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिक्षा का महत्व नहीं समझतें.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सिसोदिया का पत्र ट्विटर पर साझा करते हुए लिखा कि मनीष सिसोदिया ने जेल से देश के नाम चिट्ठी लिखी है-प्रधानमंत्री का कम पढ़ा-लिखा होना देश के लिए बेहद ख़तरनाक है. मोदी जी विज्ञान की बातें नहीं समझते. मोदी जी शिक्षा का महत्व नहीं समझते. पिछले कुछ वर्षों में (उन्होंने) 60,000 स्कूल बंद किए. भारत की तरक्की के लिए पढ़ा-लिखा प्रधानमंत्री होना ज़रूरी है.

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 26 फरवरी को सिसोदिया को अब रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण व कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में गिरफ्तार किया था.

संपादकीय

मानव अधिकारों की चिंता

अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी संकट में पड़े देश की मदद करना सरकारों और वित्तीय संस्थानों का दायित्व है। लेकिन यह मदद इस रूप में दी जाना चाहिए, जिससे मानव अधिकारों के लिए खतरा पैदा ना हो।

वित्तीय संकट में फंसे किसी देश को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) जैसी सख्त शर्तों पर ऋण देता है, वह पहले से काफी विवादास्पद रहा है। लेकिन आईएमएफ के इस रुख के खिलाफ अब तक सवाल आम तौर पर वामपंथी संगठन उठाते थे। यह संभवतः पहला मौका है, जब तो पश्चिमी मानव अधिकार संगठनों ने इसे मुद्दा बनाया है। पहले एमनेस्टी इंटरनेशनल श्रीलंका पर लगी गई आईएमएफ की शर्तों पर चिंता जताई और उसके बाद ह्यूमन राइट्स वॉच ने भी श्रीलंका में आईएमएफ के आर्थिक सुधार कार्यक्रम पर सवाल उठाए हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि नीतियां ऐसी अपनाई जानी चाहिए, जिनसे श्रीलंका में आम जन के आर्थिक और सामाजिक अधिकारों का और क्षरण ना हो। इसके पहले एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा था कि आईएमएफ की शर्तों को लेकर वह इस अंतरराष्ट्रीय संस्था के अधिकारियों से बातचीत करेगा और उन्हें अपनी चिंता बताएगा। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 'श्रीलंकाः आईएमएफ एक ऋण से अधिकारों के क्षरण का खतरा' शीर्षक के साथ एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है- 'सरकारी भ्रष्टाचार और टैक्स नियमों से धनी लोगों को लाभ हुआ, जो श्रीलंका के आर्थिक संकट का प्रमुख कारण है। इस कारण श्रीलंका के लोगों को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उन्हीं लोगों पर और बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।' विशेषज्ञों के बीच भी आम राय यही है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट दशकों तक अपनाई गई गैर-जिम्मेदाराना मौद्रिक नीति, सब्सिडी के गलत इस्तेमाल और कुशासन का परिणाम है। इसकी सबसे अधिक मार आम जन पर पड़ी है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आईएमएफ की शर्तों की मार भी उन्हीं लोगों को झेलनी पड़ रही है। अब ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत किसी संकट में पड़े देश की मदद करना सरकारों और वित्तीय संस्थानों का दायित्व है। लेकिन यह मदद इस रूप में दी जाना चाहिए, जिससे मानव अधिकारों के लिए खतरा पैदा ना हो। स्पष्टतः मानव अधिकार संगठनों की इस पहल का स्वागत किया जाएगा। जरूरत ऐसे कथित आर्थिक सुधारों का असली चेहरा सामने लाने की है, जो आम जन की कीमत पर समृद्ध वर्गों के हित साधती हैं।

धार्मिक हादसों से छुटकारे की उम्मीद

देश के मंदिरों में जैसे-जैसे विशेष पर्व और भगवानों के प्रकट दिवस पर उत्सवधर्मिता की धूम बढ़ रही है, वैसे-वैसे मंदिरों में जानलेवा हादसों की संख्या भी बढ़ रही है।

उत्सवधर्मिता बढ़ाने में सोशल एवं डिजिटल माध्यमों का खूब चामत्कारिक योगदान तो बढ़ रहा है, परंतु जब घटना घट जाती है, तब मौत से जूझ रहे लोगों को बचाने में इनका उपयोग सामने नहीं आ पाता?

200 साल पुरानी बावड़ी को 45 साल पहले 800 वर्ग फीट की छत डालकर ढका

ऐसा इंदौर में बालेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर हादसे में स्पष्ट रूप से देखने में आया है। हादसा घटने के पौन घंटे बाद पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंचे लेकिन एसडीआरएफ और पुलिस दलों के पास न तो बावड़ी में उतरने के लिए रस्सियां थीं और न ही सीढ़ियां। जबकि मंदिर प्रबंधन द्वारा सूचना दी गई थी कि यह हादसा बावड़ी की छत ध्वस्त हो जाने से हुआ है। छत पर पूजा-पाठ कर रहे लोग बावड़ी में गिर गए जिसमें पानी भी भरा है। गमीनत रही कि फायर ब्रिगेड की रस्सियां और सीढ़ियों का उपयोग किया गया। पानी खाली करने की बात आई, तब पता चला कि निगमकर्मियों के पास साठ फीट गहरी बावड़ी से पानी खींचने के लिए चालीस फीट लंबा ही पाइप है। नतीजतन, समय पर बचाव कार्य ठीक से शुरू ही नहीं हो सका और 35 लोगों ने जल समाधि ले ली। करीब 200 साल पुरानी इस बावड़ी को 45 साल पहले आठ सौ वर्ग फीट की छत डालकर ढंक दिया गया था। इसी पर बैठकर लोग अर्चना और हवन कर रहे थे। अतएव हवन करते हाथ जलने की कहावत चरितार्थ हुई है। मध्य प्रदेश में यह कोई धर्मस्थल पर हुआ पहला हादसा नहीं है। इसके पूर्व उज्जैन के सिंहस्थ, रतनगढ़ के देवी मंदिर और अशोक नगर के करीला माता मंदिर में इसी तरह के जानलेवा हादसे हो चुके है।

देश में धर्म-लाभ कमाने की प्रकृति से जुड़े हादसे अब लगातार देखने में आ रहे हैं। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में पुश्करालू उत्सव में मची भगदड़ से 13 महिलाओं समेत 29 लोग मारे गए थे। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के सतना जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल चित्रकूट में कामतानाथ मंदिर की परिक्रमा करते हुए अचानक भीड़ में भगदड़ मच जाने से 10 श्रृद्धालुओं की मौत हो गई थी। मध्य प्रदेश में ही दतिया जिले के प्रसिद्ध रतनगढ़

माता मंदिर में नवमीं पूजा के दौरान आस्था के सैलाब में पुल टूटने की अफवाह से मची भगदड़ से 115 लोग मारे गए थे। इसी मंदिर में 3 अक्टूबर, 2006 को शारदेय नवरात्रि की पूजा के दौरान 49 श्रद्धालू मारे गए थे। फरवरी, 2013 में इलाहबाद के कुंभ मेले में बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें 36 लोग मारे गए थे। मथुरा के बरसाना और देवघर के श्री ठाकुर आश्रम में मची भगदड़ से लगभग एक दर्जन श्रद्धालु मारे गए थे।

विश्व में शांति और सद्भावना की स्थापना के उद्देश्य से हरिद्वार में गायत्री परिवार द्वारा आयोजित यज्ञ में दम घुटने से 20 लोगों के प्राणों की आहुति लग गई थी। महज भगदड़ से अब तक तीन हजार से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। बावजूद लोग हैं कि दर्शन, श्रद्धा, पूजा और भक्ति से यह अर्थ निकालने में लगे हैं कि इनको संपन्न करने से इस जन्म में किए पाप धुल जाएंगे, मोक्ष मिल जाएगा और परलोक भी सुधर जाएगा। गोया, पुनर्जन्म हुआ भी तो श्रेष्ठ वर्ण में होने के साथ समृद्ध और वैभवशाली होगा।

देश में हर प्रमुख धार्मिक आयोजन छोटे-बड़े हादसों का शिकार हो रहा है। 1954 में इलाहबाद में संपन्न हुए कुंभ मेले में एकाएक गुस्साए हाथियों ने इतनी भगदड़ मचाई थी कि एक साथ 800 श्रद्धालु काल-कवलित हो गए थे। धर्म स्थलों पर मची भगदड़ से हुई, यह सबसे बड़ी घटना थी। सतारा के मांधर देवी मंदिर में मची भगदड़ में भी 300 से ज्यादा लोग असमय काल के गाल में समा गए थे। केरल के सबरीवाला मंदिर, जोधपुर के चामुंडा देवी मंदिर, और प्रतापगढ़ के कृपालू महाराज आश्रम में भी मची भगदड़ों में सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। बावजूद अब तक के हादसों में देखने में आया है कि भीड़ प्रबंधन के कौशल में प्रशासन-तंत्र न केवल अक्षम साबित हुआ है, बल्कि उसकी अकुशलता के चलते हजारों लोग बेमौत मारे गए हैं।

प्रचार-प्रसार के कारण धार्मिक आयोजनों में लगातार बढ़ रही भीड़

भारत में पिछले दो दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में प्रचार-प्रसार के कारण उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है, जिसके चलते दर्शनलाभ की जल्दबाजी और कुप्रबंधन से उपजने वाले भगदड़ों का सिलसिला जारी है। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। इसलिए उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती? इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया कर रहा है। वह हरेक छोटे बड़े मंदिर के दर्शन को चामत्कारिक लाभ से जोड़कर देश के भोले-भाले भक्तगण से एक तरह का छल कर रहा है। बहरहाल, धार्मिक हादसों से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही? लिहाजा, हादसों का दुर्भाग्यपूर्ण सिलसिला तत्काल तो टूटता दिखाई नहीं देता?

प्रमोद भार्गव

धोखा तो मुझे ये अपनों से

हां आरज़ूओं की तरह था,
मुझको तो वो तस्व्वुर मेंमिला था,
दुनिया का उसे डर था,
मुझसे वो ख़्वाबों में मिला था,
फूल की तरह नाज़ुक था,
बनकर खुशबू वो मुझसे मिला था,
शराब मैंने कभी पी नहीं,
नशा तो उसकी आँखों से मिला था,
डर था ग़ैरों से मुझे लेकिन,
धोका तो मुझे ये अपनों से मिला था,
निग़ाहों से निगाहें यकायक
जो मिलीं फ़ूल अरमानों का खिला था,
तन्हायाँ अब मेरा मुक़्क़द्दर
मुश्ताक़,सिला ये वफ़ाओं से मिला था,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह, सहज़
हरदा मध्यप्रदेश,

है वादा

पढ़ो पर लिखो ज्यादा,
बोलो पर सोचो ज्यादा,
खेलो पर पढ़ो ज्यादा,
आप सफल होंगे है वादा।
खाओ पर चबाओ ज्यादा,
रोइए कम हसिये ज्यादा,
सोओ पर जगो ज्यादा,
आप स्वस्थ रहोगे है वादा।
मांगो कम से कम दो ज्यादा,
रूठो कम मनाओ ज्यादा,
आराम करो पर मेहनत ज्यादा,
स्वाभिमान बना रहेगा है वादा।
नफरत ना के बराबर पर प्रेम ज्यादा,
आज्ञा दो पर मानो ज्यादा,
गुस्सा कम पर समझो ज्यादा,
जीवन सुकून से गुजरेगा है वादा।

डॉ. माधवी बोरसे
राजस्थान (रावतभाटा)

छत्तीसगढ़ के बासी

छत्तीसगढ़ के पेजहा-बासी
अमसूरहा आमा-अथान हे,
छप्पन भोग हर जुच्छा लागे
जइसे इही म बसे परान हे।
छत्तीसगढ़ के चटनी-भाजी
जेमा छत्तीस ठन मिठास हे,
तरकारी हर सिझ्झ कस लागे
इहिच मा गजब के स्वाद हे।
छत्तीसगढ़ के बरी-बिजौरी
चेंच-भाजी के आउ साग हे,
डुबकी-घारी, निचट मिठाथे
जइसे लागे छप्पन स्वाद हे।
छत्तीसगढ़ के नान्हे-लइका
राम-कृष्ण ,अउ बलराम हे,
इहाँ के सियान बाबू-भईया
अउ वसुदेव-दसरथ समान हे।
छत्तीसगढ़ के मोर गंवई-गांव
लागे अयोध्या-गोकुल-धाम हे,
इहाँ के मंदिर देव-देवाला मन
जईसे लागथे चारो-धाम हे।
छत्तीसगढ़ के नदिया -नरवा
गंगा कस बोहे पावन-धार हे,
इहाँ के तरिया घाट-घठोंधा
देवता के चरण-कुंड दुवार हे।
छत्तीसगढ़ के तुलसी-चौरा
सालिग देव ह विराजमान हे,
बिहना-संझा होवय आरती
लागय अंगना तीरथ-समान हे।

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरी नारायन छत्तीसगढ़

तनु की सूझबूझ

अप्रैल का महीना था। स्कूलों की वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किये जा रहे थे। इस वर्ष तनु अपने स्कूल के कक्षा पाँचवीं में प्रथम आयी थी। उसके छोटे भाई शुभम ने भी कक्षा तीसरी की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। दोनों भाई-बहन स्कूल स अंकसूची लेकर आये और बैठक कमरे में टेबल पंखे को चालू करके सोफे पर बैठ गये। उनके मम्मी-पापा घर पर नहीं थे। फिर दोनों को एक-दूसरे की अंकसूची देखने की इच्छा हुई; लेकिन सबसे पहले अंकसूची दिखाने के लिए कोई तैयार नहीं थे। इस तरह दोनों में अंकसूची के लिए छीना-झपटी होने लगी।

झगड़ते-झगड़ते अचानक शुभम का हाथ पंखे से टच हो गया। चालू पंखे में करंट प्रवाहित होने के कारण उसका एक हाथ पंखे से चिपक गया। शुभम की चीख सुनकर तनु सहम गयी। फिर तुरंत उसने दीवार की खूँटी पर टंगी सायकिल की पंचर ट्यूब से शुभम को पकड़कर पंखे से अलग किया। तनु एकदम घबरा गयी। अचेत शुभम को पलंग पर लिटाकर पड़ोस की कौर अंटी को बुलाने गयी। कौर अंटी के आते ही मम्मी-पापा भी आ गये। तनु ने अपने मम्मी-पापा को घटना की पूरी जानकारी दी। पापा तुरंत डॉक्टर को बुलाने चले गये। मम्मी शुभम को गोद में लेकर पलंग पर बैठ गयी। मम्मी बहुत घबरायी हुई थी। उपचारोपरांत शुभम को होश आया। डॉक्टर तनु के पापा से बोले- चंद्राकर जी, घबराने की कोई बात नहीं। मैंने इंजेक्शन लगा दिया है। ये टेबलेट्स शाम और सुबह लगातार दो दिन तक देते रहिएगा। डॉक्टर के चले जाने के बाद एकत्रित हुए लोग तनु की सूझबूझ की चर्चा लगे।

छोटी सी बच्ची ने क्या दिमाग लगाया। खान चाचा ने दाढ़ी खुजलाते हुए कहा।

थैंक गॉड! जॉन अंकल ने हामी भरी।

भीड़ बढ़ती ही जा रही थी। घटना के बारे में सुनकर सभी को बड़ा आश्चर्य होने लगा। मुसीबत के समय क्या दिमाग लगाया है। वाह , बहुत खूब...जैसे शब्द जनसमूह से निकल रहे थे। कौर अंटी ने तनु से पूछा- तनु बिटिया, तुम ने शुभम भाई का हाथ पंखे से चिपकने पर उसे अलग करनेवाले के लिए साइकिल-ट्यूब का ही उपयोग क्यों किया?

सहमी हुई तनु बताने लगी- आंटी जी, हमारी रूबीना मैडम है न, जो हमें विज्ञान पढ़ाती है। पिछले सटरडे को उन्होंने बताया था कि रबड़, चमड़े, मोम, सूखे कपड़े, सूखी लकड़ी विद्धुत के कुचालक हैं। इन पर विद्युत यानी करंट का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इनमें करंट प्रवाहित नहीं होती। शुभम भाई का हाथ पंखे से चिपकने पर मुझे रबड़ ट्यूब का ख्याल आया; और इसी से शुभम को पकड़कर पंखे से अलग किया। यह सुनकर उपस्थित सभी तनु की सूझबूझ की जी खोलकर तारीफ करने लगे।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद (छ.ग.)

मधुशाला

मेरे मन की मधुशाला में
तेरी यादों के जाम छलकते
देख जिन्हें हम जी लेते हैं
घूंट घूंट करके हैं पीते
मेरे मन की मधुशाला में
तेरी यादों के जाम छलकते
लड़खड़ाते हैं कदम
जब तुम ख़यालों में हो आते
एक नशा बनकर
मेंरी इन दो निगाहों में समाते
ऐसा सुरुर छाया दिल पर
देखूं जिधर तुम्हीं तुम दिखते
मेरे मन की मधुशाला में
तेरी यादों के जाम छलकते
साथी नशा सुरीला ऐसे
तन मन को है झंकृत करता
धड़कन की लय पर
तेरे कदमों की आहट को सुनता
थरथराते लब मेंरे भी
जब तुम आते गुनगुनाते
मेंरे मन की मधुशाला में
तेरी यादों के जाम छलकते

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

रूमानी हो जाएँ

चांदनी रात में, हाथ लिए हाथ में
आओ साहिलों पे टहल आएँ
फिर से कुछ रूमानी हो जाएँ
मैं कहूँ तुमसे, या खामोशी चुनूँ
तुम्हारी आँखों के फसाने सुनूँ
अपनी भी आँखों में ख़्वाब बुनूँ
आँखों से पढ़ें, कहानी हो जाएँ
फिर से कुछ रूमानी हो जाएँ
एक दिल से उठ कर लहरें
दूजे दिल को जा कर ठहरें
जज़्बात को न कोई पहरे
इक राब्ता रूहानी हो जाएँ
फिर से कुछ रूमानी हो जाएँ

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

सलीका

हँस के सहे जमाने के सितम,
फिर भी जमाने ने हम से कहा,
मुझे जीने का सलीका न आया,
आँसू बहाये,तो शिकायत हुई,
मेरी तबस्सुम से जमाना जला,
मुझे जीने का सलीका न आया,
जिस आईने में तेरी तस्वीर न थी,
हम ने तोड दिया वो आईना,
मुझे जीने का सलीका न आया,
हर किसी से,हम खुल के मिले,
हम न समझे,कौन अपना पराया,
मुझे जीने का सलीका न आया,
उनके हर झूठ को सच समझे,
हर बार मुझे फरेब ही मिला,
मुझे जीने का सलीका न आया,

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

भारत और भारतीय सभ्यता में 'वैलेंटाइन डे' का औचित्य

आज के पढ़े-लिखे युवक जितना अधिक प्रगति पथ की और बढ़ रहे है उतने ही पश्चिमी सभ्यता से ग्रसित हो अपनी संस्कृति की जड़ों से दूर होते जा रहे है।

वे अपने पावन पर्व-त्योहारों को नया नाम और नवाकार देकर मनाने में अत्यधिक आनंद का अनुभव करते है।

भारत में पिछले कुछ वर्षों से वैलेंटाइन डे अर्थात प्रेम दिवस मनाने का प्रचलन तेजी से बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। अपने प्रिय के प्रति प्रेम को अभिव्यक्त करने अर्थात प्रणय निवेदन आज प्रेम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है ,जो ग्लोबल फेस्टिवल की तरह संपूर्ण विश्व के युवाओं का विशेष आकर्षण दिवस बन गया है । एक दूसरे को उपहार प्रदान करके अपनी खुशी और प्यार का इजहार करना इस दिवस का मुख्य आकर्षण है। वास्तव में तो यह दिवस हमारी आदि भारतीय संस्कृति में मनाया जाने वाला मदनोत्सव का विकल्प है परंतु पाश्चात्य संस्कृति की चकाचौंध में आज भारतीय समाज में मदनोत्सव विस्मृत होकर रह गया है। आज भारतीय युवा दिग्भ्रमित होअपनी संस्कृति को भूलता जा रहा है और समाज में तथाकथित आयातित कल्चर के अत्याधुनिक रूप को निर्द्वंद, बिना किसी क्षति केस्वीकार कर रहा है ;बिना सोचे -विचारे जीवन में आगे बढ़ने की दौड़ का हिस्सा बनने में लगा है।

विडंबना तो यह है कि भारतीय समाज में 'वैलेंटाइन डे' अर्थात प्रेम दिवस बनाने का क्या औचित्य है? प्रेम तो विशुद्ध पावन और अनिर्वचनीय है । प्रेम आकर्षण है,एहसास है ,दो आत्माओं के मिलन का,विशुद्ध भावनाओं का समावेश है, एक दूसरे के प्रति समर्पण और त्याग है ,हृदय के आंतरिक भावों की परस्पर अभिव्यक्ति है ,निजी जुड़ाव है जो सब कुछ भुला कर एक दूसरे के लिए समर्पित हो जाने को प्रेरित करती है, जिसके लिए एक ही दिवस क्यों जरूरी है?

हमारे देश में तो जिससे प्रेम होता है जीवन भर के लिए होता है । जिसे अपना बना लिया ,उससे जीवन भर प्रेम करते है फिर वे चाहे माता पिता हो ,भाई-बहन हो,मित्र-बंधु हो ,पति -पत्नी हो या प्रेमी युगल ।सच्चा प्रेम तो मन से मन का मिलन है न कि देह का देह से संबंध है । ऐसी सच्ची इबादत है कि एक बार जिस से मोहब्बत हुई तो ताउम्र प्रेम के तिल चावलों को पल्लू से बांध कर संभाल कर रखते है ।

सात्विक प्रेम तो सृष्टि के कण-कण में समाया है या यूं कहें कि सृष्टि का आरंभ ही प्रेम की पराकाष्ठा पर हुआ है। चर- अचर इस जगत में सर्वत्र निश्छल प्रेम ही दिखाई देता है। प्रेम केवल भौतिक क्रियाकलापों से प्राप्त नहीं होता और न ही प्रेम एक दिवस का हो सकता है। प्रेम तो ताउम्र एक दूसरे के प्रति निष्ठा विश्वास और समर्पण का भाव है, फिर चाहे वह प्रेम आपके साथ हो या अन्य किसी के भी साथ। वह व्यक्ति आपके पास हो या आप से दूर प्रेम तो प्रेम ही होता है। चाहे वह मीरा का एकनिष्ठ आध्यात्मिक सखा भाव प्रेम हो या राधा-कृष्ण का विशुद्ध पावन प्रेम मिलन अथवा राम का सीता के प्रति मर्यादित और समर्पित प्रेम जिन्होंने अपने प्रेम के लिए संकटों से जूझते हुए अपने आदर्श प्रेम की न केवल रक्षा की बल्कि दुनिया के सामने सच्चे प्रेम की एक मिसाल कायम की । प्रेम तो किसी भी दिवस और किसी भी रूप में मनाया जा सकता है।मातृ-पितृ दिवस, मित्र दिवस, भातृ प्रेम दिवस भगिनी प्रेम दिवस अथवा सैनिक दिवस या अन्य एक ही दिन नहीं हमेशा मनाया जा सकता है। सच तो यह है की प्रेम का कोई दिवस निर्धारित नहीं होता जब भी निस्वार्थ मन से सच्चे दिल से दो प्रेमीयुगल , प्रेमी ही क्यों, आपके माता-पिता का प्रेम, आपके भाई बहन का प्रेम ,मित्र- बंधु का प्रेम हो ,जब आपको प्राप्त हो वही प्रेम का पावन दिवस है । परंतुआज हम आधुनिकता की होड़ में हम अपनी संस्कृति,सभ्यता और शिष्टाचार को दरकिनार कर बाहरी आडंबरों को ज्यादा महत्त्व दें रहे है । अपनी परंपराओं ,रीति-रिवाजों व मान्यताओं को भुला कर पश्चिमी सभ्यता के रंग में आकर्षित होते जा रहे है । इसका जिम्मेदार कौन है ,हम ,आप या हमारी युवा पीढ़ी ? हम किसको को दोष देंगे,युवा पीढ़ी को ;नहीं, कहीं ना कहीं हम और आप ही इसके दोषी है क्योंकि हमने ही आने वाली पीढ़ी को आदर्श संस्कार और शाश्वत मूल्यों के उचित-अनुचित का ज्ञान प्रदान करने में चूक कर रहे है ।क्या हम युवा पीढ़ी के लिए अपना दायित्व निष्ठा से निभा पा रहे है?आधुनिकता की लालसा में हमने स्वयं ही अपने बच्चों को इस दिशा की ओर अग्रसित किया और अब पानी सर से ऊपर निकल जाने पर उसे संभालने का प्रयास कर रहे हैं।

आज का युवा जागरूक है, दोषी नही,क्योंकि वह जानता है कि आदर्श-संस्कार,नैतिकता, शिष्टाचार सभ्यता और जीवन दर्शन का सम्मान हमारा धर्म है । हमारी जड़े देश की संस्कृति के साथ जुड़ी है जिसे किसी भी तरह हानि नहीं होनी चाहिए । इसीलिए वे प्रेम दिवस को पुलवामा में हुए शहीदों के प्रति भी सच्ची श्रद्धांजलि हेतु सैनिक दिवस के रूप में भी स्वीकृत कर रहे है ।

भारत में ही नहीं दुनियाभर में ग्लोबल फेस्टिवल के रूप में प्रति वर्ष 14 फरवरी को जो वेलेंटाइन डे मनाया जाता है, जिसमें वे अपने क्रश ,पार्टनर या करीबियों को अपने प्यार का इजहार करने को बेताब रहते है,जो प्यार करने वालों के लिए दबेहद खासदिन होता है। उसकी महत्ता धीरे धीरे मद्धम पड़ रही है । अब इस प्रेम दिवस में महंगे उपहारों के आदान प्रदान के कारण इसका महत्त्व कम होता जा रहा है ।वर्तमान पीढ़ी अपनी सभ्यता और संस्कृति के प्रति जागरूक हो रही है।उनका जुड़ाव अपने देश की माटी से बढ़ रहा है । अब हमारी वर्तमान पीढ़ी आने वाली पीढ़ी के लिए अपनी संस्कृति को सहेज कर रखने के साथ -साथ उन्हे नया रूप तथा नवाकार देने का भी प्रयास कर रही है । उनका मानना है कि हमारी सभ्यता और संस्कृति के दर्पण उल्लास उमंग और उत्साह के प्राण विभिन्नता में एकता, अखंडता के प्रतीक हमारे पर्व-त्योहार है देश की पहचान

डॉ वनिता शर्मा
दिल्ली

कर्नाटक चुनाव राष्ट्रीय महत्व का

लोकतंत्र में वैसे तो हर चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है और कई बार सबसे छोटे चुनाव से भी बड़ी राजनीति प्रभावित होती है। हाल में पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में चुनाव हुए और तीनों जगह यथास्थिति कायम रही। त्रिपुरा में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सत्ता में वापसी हुई तो मेघालय में पहले से ज्यादा सीटें लेकर कोनरेड संगमा की पार्टी एनपीपी सत्ता में लौटी। नगालैंड में भाजपा की सीटें तो नहीं बढ़ी लेकिन सरकार का नेतृत्व कर रही एनडीपीपी की सीटें बढ़ीं और गठबंधन फिर से सत्ता में लौटा। ये तीनों चुनाव नतीजे कई मायने में बेहद अहम हैं। जैसे- तीनों राज्यों में विपक्ष के तमाम शोर शराबे के बावजूद कोई एंटी इन्कम्बैंसी नहीं थी, तीनों राज्यों में विपक्ष एकजुट नहीं हुआ, विपक्ष के बिखरे होने का फायदा सत्तारूढ़ दलों को मिला, तीनों राज्यों में विपक्ष बहुत दमदार तरीके से चुनाव नहीं लड़ सका आदि आदि।

इन तीन राज्यों के बाद अब कर्नाटक में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग की घोषणा के मुताबिक 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को नतीजे आएंगे। इस चुनाव में भी उन तमाम चीजों की परीक्षा होनी है, जिनकी पूर्वोत्तर के तीनों राज्यों में हुई है। चार साल से राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल है या नहीं? अगर है तो विपक्ष उसका फायदा उठा पाएगा या नहीं? विपक्ष के बिखरे होने का फायदा सत्तारूढ़ दल को मिलेगा या नहीं? और विपक्षी पार्टियां दमदार तरीके से चुनाव लड़ पाएंगी या नहीं? इन चारों सवालों का जवाब एक साथ चुनाव नतीजों से मिलेगा। अगर भाजपा फिर जीत जाती है तो उसका एक मतलब तो यह होगा कि भाजपा भले कुछ राज्यों में चुनाव हार जाती है लेकिन आमतौर पर उसकी सरकारों के खिलाफ आसानी से एंटी इन्कम्बैंसी नहीं होती है या वह गवर्नेंस से इतर भावनात्मक मुद्दों से सत्ता विरोधी लहर को काट देती है। एक मतलब यह होगा कि भाजपा को नरेंद्र मोदी के रहते किसी प्रादेशिक क्षत्रप की जरूरत नहीं है। उसका एक मतलब यह भी होगा कि अगर इतनी अनुकूल स्थितियों में भी विपक्ष भाजपा को नहीं हरा पाए तो उसके लिए भाजपा को हराना नामुमकिन की हद तक मुश्किल है।

कर्नाटक में स्थितियां विपक्ष के बहुत अनुकूल हैं। इसके कई कारण हैं। पहला, राज्य में 38 साल के इतिहास में कोई पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में वापस नहीं लौटी है। आखिरी बार 1985 में रामकृष्ण हेगड़े की सरकार लगातार दूसरी बार जीती थी। सो, अगर राज बदलने का यह रिवाज जारी रहता है तो स्वाभाविक रूप से भाजपा सत्ता से बाहर होगी और कांग्रेस की वापसी होगी। दूसरा, भाजपा को कभी भी कर्नाटक में पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। पहली बार 2008 में उसने निर्दलीय विधायकों के साथ मिल कर सरकार बनाई थी और बाद में विपक्षी पार्टियों के विधायकों के इस्तीफे करा कर उनको भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़वाया था। दूसरी बार 2019 में भाजपा ने कांग्रेस और जेडीएस के विधायकों से इस्तीफा करा कर उनकी साझा सरकार गिरवाई और अपनी सरकार बनाई। तीसरा, भाजपा अब भी पूरे कर्नाटक की पार्टी नहीं है। उत्तरी व तटीय कर्नाटक में उसका मजबूत आधार है और बीएस येदियुरप्पा की मेहनत से लिंगायत उसका सबसे मजबूत कोर वोट बना है। इसके अलावा भाजपा किसी दूसरे बड़े जातीय समूह को अपने साथ नहीं जोड़ पाई है।

चौथा कारण भाजपा के अंदर की गुटबाजी है। 2019 में येदियुरप्पा ने कांग्रेस और जेडीएस की साझा सरकार गिरा कर भाजपा की सरकार बनवाई थी और मुख्यमंत्री बने थे। लेकिन दो साल बाद उनको हटा दिया गया और बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री बने। वे भी लिंगायत समुदाय के हैं लेकिन उनकी पकड़ येदियुरप्पा जैसी नहीं है। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही पार्टी के अलग अलग खेमे खुल कर सामने आ गए। मुख्यमंत्री बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के समर्थकों के गुट हैं। पांचवां कारण यह है कि येदियुरप्पा पर भाजपा की रणनीति स्पष्ट नहीं है। उनको मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद किनारे कर दिया गया था। लेकिन हार मान कर घर बैठने की बजाय वे पूरे प्रदेश में घूमने लगे। इस क्रम में उनको ऐसा समर्थन मिला कि पार्टी आलाकमान को मजबूर होकर उनको संसदीय बोर्ड में शामिल करना पड़ा। जब इससे यह मैसेज हुआ कि येदियुरप्पा ही सबसे बड़े नेता हैं और वे ही पार्टी को चुनाव लड़ाएंगे तो फिर उनको काटने का अभियान शुरू हो गया। सो, चुनाव आने तक यह तय नही हो पाया कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं और उनकी क्या भूमिका है।

छठा कारण भ्रष्टाचार का है। राज्य सरकार के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। किसी न किसी तरह से मुख्य विपक्षी कांग्रेस राज्य की बोम्मई सरकार के ऊपर 40 फीसदी कमीशन वाली सरकार का ठप्पा लगाने में कामयाब हुई है। ठेकेदारों की समूह की ओर से यह आरोप लगाया गया था और एक बड़े ठेकेदार ने इस वजह से आत्महत्या कर ली थी। भाजपा के दिग्गज नेता केएस ईश्वरप्पा को भ्रष्टाचार के आरोप में सरकार से हटाए गए थे और तमाम दबावों के बावजूद उनकी सरकार में वापसी नहीं हुई। हालांकि भाजपा ने भ्रष्टाचार के नैरेटिव को बदलने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। लोकायुक्त ने राज्य के भाजपा विधायक मदल विरूपक्षपा और उनके बेटे को पकड़ा है। उनका बेटा रिश्वत लेते पकड़ा गया था और विरूपक्षपा के घर से आठ करोड़ रुपए मिले थे। भाजपा इस घटना का प्रचार करके बता रही है कि वह भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस रखती है।

सातवां कारण यह है कि मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने तमाम गुटबाजी के बावजूद लक्ष्मण रेखा पार नहीं की है। पार्टी के बड़े नेता एक साथ मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के बीच परफेक्ट तालमेल नहीं है लेकिन दोनों में कामचलाऊ रिश्ते बन गए हैं और दोनों ने यह जरूरत समझी है कि पहले कांग्रेस की सरकार बने वह ज्यादा जरूरी है। तुरुप के इक्का के तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हैं। कर्नाटक उनका गृह प्रदेश है और कांग्रेस उम्मीद कर रही है कि इसका फायदा उसे मिलेगा। इस तरह ओबीसी समुदाय से आने वाले सिद्धरमैया, वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार और दलित समुदाय के खड़गे का परफेक्ट कॉम्बिनेशन कांग्रेस के पास है। इसमें मुस्लिम वोट जुड़ जाता है तो यह 65 फीसदी से ज्यादा वोट बनता है। जहां तक दमदार तरीके से चुनाव लड़ने की बात है तो कर्नाटक एकमात्र प्रदेश है, जहां कहा जा सकता है कि पार्टी का संगठन भाजपा के अंदाज में और उसी दम से चुनाव लड़ने में सक्षम है।

अजीत द्विवेदी

तिजारत

रूठना और प्रेम में मनाना
मोहब्बत में तासीर कहाँ है
प्रेम दौलत के चौराहे पे खड़ा
लैला मजनूँ का प्यार कहाँ है
तिजारत अब बन गई मोहब्बत
शीरी फरहाद की प्यार कहॉ है
जिनके पाकेट में धन वो दौलत
प्रेमिका उनके पास हरा। है
गाड़ी बंगला कार है जिनको
प्रेमिका की नई लाईन खड़ी है
कपड़े की तरह प्रेम बदलता हो
फिर भी मोहब्बत जिद पे अड़ी है
कसमें हुए झुठे वादे अब रूठे
इतिहास के पन्ने है लाचार
भूल गये वो प्रेम की इबादत
वासना की हो गई है ये संसार
तन से खेलना धोखा व छलना
अब प्रेम बन गई है नई व्यापार
झूठा प्रेम में जान को गवॉ देना
क्यूँ बन गई प्रेम जग में लाचार
छद्म वेश में निकला है मोहब्बत
जग वाले इनको पहचान मिलता है
भौंरे की तरह कलियों को फँसाना
प्रेम मोहब्बत की शान दिखता है

उदय किशोर साह
जयपुर जिला बाँका बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

गुडफ्राइडे के दिन महागिरिजाघर में हुआ विविध कार्यक्रम

» क्रूस हमारे जीवन के असली प्रेम का प्रतीक है

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

मसीही समाज का पवित्र सप्ताह गुडफ्राइडे के दिन यीशु को क्रूसित कर सूली पर चढ़ाये जाने के दिन को याद कर भक्ति आराधना में लीन हैं। गुड फ्राइडे के अवसर पर संभाग मुख्यालय अम्बिकापुर के नवापारा स्थित बेदाग इशमाता महागिरजाघर में परम्परागत ढंग से विविध धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए।

पवित्र शुक्रवार के दिन नवापारा स्थित महागिरजाघर में बिशप अंतोनिस बड़ा, फादर विलियम उर्रे व पल्ली पुरोहित फादर जार्ज ग्रे कुजूर की अगुवाई में समस्त धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ हुए। आज के दिन ही राजा पिलातयूस ने प्रभु यीशु को मृत्यु दण्ड की सजा सुनाकर यीशु के ही कंधे पर क्रूस लादकर उन्हें कलवारी पहाड़ ले जाने का आदेश दिया था और उन्हें सूली पर चढ़ा दिया गया था। प्रभु यीशु ने जिस तरह दुखभोग किया उन्ही पलों को याद कर दोपहर 2 बजे से क्रूस रास्ता कार्यक्रम बिशप हाउस फादर्स व उर्सुलाइन सिस्टर्स की अगुवाई में सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात बिशप ने पवित्र शुक्रवार विशेष धर्मविधि के अनुष्ठानों को सम्पन्न कराते हुए कहा कि आज का दिन मानव मुक्ति के लिए यीशु के बलिदान का दिन है। आज इंसान को दैनिक दिनचर्या के दौरान आने वाले दुख मुसीबत बाधा व्यवधान को नए नजरिये से देखने की जरूरत है, हमारी भलाई व अच्छाइयां इसी में निहित हैं। यीशु ने तो अपना शरीर व रक्त भी हमें समर्पित कर हमारी मुक्ति के रास्ते खोल दिए। इस दौरान पवित्र बाइबिल से दो पाठ का वाचन युवा संघ के प्रवीण मिंज व शालिनी द्वारा किया गया। प्रभु येशु के दुखभोग कथा का वाचन सेंट जेवियर ग्रूप ने कर उन पलों को स्मरण किया गया। बीच-बीच में भक्तिमय गीतों की मनमोहक प्रस्तुति होली क्रॉस पटपरिया व आशा निकुंज पटपरिया की टीम भक्तों के बीच माहौल को दुखभोगमय बना रही थी। इस अवसर पर पूर्व महापौर प्रबोध मिंज काथलिक सभापति राजेन्द्र तिग्गा, बीरेंद्र टोप्पो, जगजीत मिंज, अजय अरुण मिंज, डॉ. रविन्द्र टीगा, डॉ. युगल कुजूर, अशोक जोन कुजूर, राजू तिर्की, भानु खलखो फादर अविरा, फादर अमृत टोप्पो, फादर कल्यानुस, फादर अनुरंज, फादर मुक्ति फा पीटर, संत अन्ना सिस्टर्स, होली क्रास सिस्टर्स उर्सुलाइन सिस्टर्स व बड़ी संख्या में

पीजी कॉलेज अम्बिकापुर में रक्तदान शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

गत दिवस को राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय अंबिकापुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त एनसीसी कैडेट्स सहित स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले छात्रों ने सहभागिता की और एसडी/एस डब्ल्यू कैडेट्स ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. अग्रवाल ने समस्त कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया और रक्तदान करने से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हमारा रक्तदान की की ओर बढ़ाया एक कदम कई परिवारों के जीवन की रक्षा करता है। रक्त की इन कुछ बूंदों से केवल मरीज़ ही बल्कि उसका पूरा परिवार - खानदान और उससे जुड़े लोग भी राहत पाते हैं। इससे बड़ा कोई अन्य दान हो नहीं सकता।

जिला अस्पताल अंबिकापुर ब्लड-बैंक की समस्त टीम इस अवसर पर उपस्थित रही और बहुत ही तन्मयता के साथ इस आयोजन का सफल संचालन किया।

रक्तदान के अवसर पर महाविद्यालय एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पंकज कुमार अहिरवार के साथ साथ महाविद्यालय के एनएसएस अधिकारी राजीव कुमार एवम रेड क्रॉस प्रभारी संदीप कुशवाहा सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण व स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे विद्यार्थीगण भी उपस्थित रहे।

भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर भाजयूमो ने किया स्वच्छ्ता का कार्यक्रम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)। भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस के अवसर पर भाजयुमो नगर मंडल अंबिकापुर द्वारा प्रदेश आवाहन पर स्वच्छता का कार्यक्रम स्थानीय गुरुनानक चौक पर किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति रविकांत उराव, भाजयुमो जिला अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, जिला महामंत्री संजीव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष विकास शुक्ला, वीर सोनी, अनुराग शुक्ला, भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष निशांत सिंह, नगर महामंत्री दीपक यादव, रवि सोनी के नेतृत्व में स्वच्छता का कार्यक्रम गुरुनानक चौक में सफाई कर कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान नगर उपाध्यक्ष मोंटी यादव रिशु अंबेस्ट रितिक शर्मा हिमांशु सिंह सेंगर विनय जयसवाल अन्य कार्यकर्ता अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नजूल भूमि पर हुए अवैध कब्जे को लेकर मुख्यमंत्री से शिकायत

अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)। अम्बिकापुर प्रवास के दौरान वार्ड क्रमांक 3 गांधीनगर में नजूल भूमि पर हुए अवैध कब्जे को लेकर वार्ड पार्षद गीता रजक से विशेष मुलाकात कर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उनसे शिकायत को प्राप्त किया है। धोबी समाज की मांग एवं नजूल भूमि पर कब्जे को लेकर अपनी शिकायतों के लिये पार्षद गीता रजक कॉलेज ग्राउंड में सरहुल समारोह में मुख्यमंत्री से मुलाकात करने गयी थी। मुख्यमंत्री ने विशेष रुप से संज्ञान लेकर उन्हें बुलाया और उनके शिकायत को प्राप्त किया। इस शिकायतपत्र में आरोप है कि सिंहदेव योजना में प्राप्त भूमि जिसमें तलाब भी स्थित है को इस भूमि के कथित भूमिस्वामी के द्वारा किसी बडे संरक्षण के तहत शासकीय अनुमति प्राप्त कर भूमि को करोडो के सौदों में बेचा गया है। इसके कारण सार्वजनिक उपयोग में आने वाले इस तलाब का मार्ग के साथ ही तलाब भी बाधित हो गया है। पार्षद ने वार्डवासियों की तरफ से इस भूमि के विक्रय की अनुमति की जांच के साथ ही साथ तलाब और उसके मार्ग को कब्जे से मुक्त कराने के साथ ही तलाब का सौंदर्यीकरण कराने और मार्ग निर्माण की मांग की है। मुख्यमंत्री ने मुलाकात में इस जमीन के विक्रय की जांच का आश्वासन दिया है।

एमएमयू द्वारा शिविर हेतु वार्डवार तिथि निर्धारित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा शिविर लगाने हेतु वार्ड वार तिथि निर्धारित किया गया है। तय तिथि में एमएमयू द्वारा वार्डों में शिविर लगाए जाएंगे। अम्बिकापुर नगर निगम में 4

प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 अप्रैल 2023 को एमएमयू-1 द्वारा वार्ड क्रमांक- 2 प्राथमिक शाला भगवानपुर के पास, एमएमयू -2, वार्ड क्रमांक -14 नमनाकला पानी टंकी के पास, एमएम-3 वार्ड क्रमांक -20 केना बांध पीडीएस भवन के सामने एवं एमएमयू- 4 द्वारा वार्ड क्रमांक 38 में बरेज तालाब के पास शिविर लगाई जाएगी। इसी प्रकार 9 अप्रैल को एमएमयू-1 द्वारा वार्ड क्रमांक-10 पटेलपारा कोइरा दुकान के पास, एमएमयू -2, वार्ड क्रमांक -32 बाबू पारा अटल आवास के पास, एमएमयू -3 वार्ड क्रमांक -21 उरांव पारा एसएलआरएम सेंटर के पास एवं एमएमयू- 4 द्वारा वार्ड क्रमांक 45 भट्ठापारा में शिविर जाएगी। 10 अप्रैल को एमएमयू-1 द्वारा वार्ड क्रमांक-24 कलाकेंद्र मैदान एवं जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर, एमएमयू -2, वार्ड क्रमांक-26 गुरु नानक वार्ड गुदरी चौक, एमएमयू -3 वार्ड क्रमांक -23 घुटरा पारा एसएलआरएम सेंटर, एवं एमएमयू- 4 द्वारा वार्ड क्रमांक 48 बिशुनपुर प्राथमिक शाला के पास शिविर लगाई जाएगी।

अधिकारी व कर्मचारियों को मतदाता सूची में कराना होगा नाम दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी विभागों के जिला अधिकारियों को अपने अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। आगामी निर्वाचनों में शत -प्रतिशत मतदान के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य अंतर्गत नए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा रहा है।

फिट कॉप फिट सिटी के तहत 2 किमी दौड़ व 10 किमी साईकलिंग रेस रविवार को

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में सरगुजा पुलिस द्वारा सरगुजा पुलिस बल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमनागरिकों के शारिरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृण करने के उददेश्य से फिट काप फिट सिटी कार्यक्रम का निरंतर संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम अंर्तगत समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजन कर वर्तमान समय में हो रहे अपराध, एवं बचाव के सम्बन्ध में भी आमनागरिकों को जागरूक किया जाता हैं। इसी क्रम में रविवार को गांधी स्टेडियम में प्रातः 5.30 बजे 2 किमी की दौड़, एवं दौड़ पश्चात गांधी स्टेडियम से 10 किमी की सायकल रेस प्रारंभ होकर वाटर पार्क तक पहुंचकर वापस गांधी

स्टेडियम में आकर समाप्त होगी। सायकल रेस के पश्चात गांधी स्टेडियम में जुम्बा, योग का कार्यक्रम संचालित किया जायगा। योग एवं जुम्बा के पश्चात प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया जायगा। उक्त कार्यक्रम में सरगुजा पुलिस के अधिकारी, कर्मचारी, के साथ-साथ आमनागरिक, स्कूली छात्र-छात्राएं भी शामिल हो सकते हैं। सरगुजा पुलिस के अभियान फिट कॉप फिट सिटी में आमनागरिक अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम का लाभ उठाए एवं कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी सदस्य सायकल रेस के लिए सायकल स्वयं से लाना सुनिश्चित करें।

3 वार्ड की 10 हजार आबादी लाभान्वित होगी

बरेज तालाब के बगल में जिस स्थान का चयन हमर क्लीनिक के लिए किया गया है वो अग्रसेन वार्ड और जाकिर हुसैन वार्ड के मध्य है और विवेकानंद वार्ड का एक हिस्सा भी इससे लगा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के महत्वकांक्षी योजना यूनिवर्सल हेल्थ स्कीम के संदर्भ में स्थापित होने वाले इस हमर क्लीनिक में 1 एमबीबीएस डॉक्टर सहित 4 कर्मचारियों का स्टॉफ होगा। मौसमी बीमारियों सहित छोटी-मोटी व्याधियों का इलाज इसी क्लीनिक में हो जायेगा। सिकलिंग, हीमोग्लोबिन, शुगर, प्रेगनेंसी, एड्स, मलेरिया जैसे टेस्ट यहीं हो जाएगा साथ ही केंद्रीय प्रयोगशाला भेजने के लिये अन्य बीमारियों के टेस्ट का सैम्पल कलेक्शन भी हो जायेगा। यहाँ पर 46 प्रकार की दवा भी मिलेगी। दो पाली में चलने वाले हमर क्लीनिक के ओपीडी सहित उपरोक्त सभी सुविधाएं मुफ्त होंगी।

आंगनबाड़ी केन्द्र में बताया गया मिलेट्स के फायदे

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरबार के आंगनबाडी केन्द्र खुदीपारा में पोषण पखवाडा समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मिलेट्स के प्रति लोगों में जागरूकता लाने विभिन्न मिलेट्स के तरह-तरह के व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित कर मिलेट्स के फायदे बताए गए।

कार्यक्रम में बताया गया कि वर्तमान जीवन शैली में जहां फास्ट फूड एवं जंक फूड से बच्चों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है वहीं इन व्यंजनों को अपनी रोज की जीवन शैली में अपनाकर एक निरोगी और स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। साथ ही रोज की जीवन में इनका महत्व बताते हुए इसे अपनी थाली में जरूर शामिल करने का संकल्प लिया गया। व्यंजन प्रतियोगिता में प्रथम सुनीता शर्मा, द्वितीय शबनम, तृतीय ममता पाण्डेय को मिला। इसके साथ ही सभी प्रतिभागियों को संतावना पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम में शामिल पूर्व सरपंच, उप सरपंच, परियोजना अधिकारी सरिता सिंह एवं सेक्टर सुपरवाईजर कमलेश यादव एवं अम्बिकापुर ग्रामीण की समस्त पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहीं।

थाना व चौकी प्रभारियों को अपने क्षेत्र में सूचना संकलन तेज करने एसपी ने दिया आदेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में एसपी भावना गुप्ता ने शुक्रवार को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में जिले के पुलिस राजपात्रित अधिकारियों सहित समस्त थाना, चौकी प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान लंबित प्रकरणो की समीक्षा, गुम इंसान, मर्ग निकाल, शिकायत निकाल, साइबर अपराध से सम्बंधित मामलों में प्रकरण की जानकारी ली गई। साथ ही लंबित प्रकरणों के जल्द निकाल करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। लंबित प्रकरणों के निकाल में धीमी गति पाये जाने पर एसपी द्वारा थाना प्रभारी कमलेश्वरपुर एवं थाना प्रभारी गांधीनगर को सख्त हिदायत देकर कड़े दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। गुम इंसान के पुराने मामले के दस्तयाबी हेतु प्रशिक्षु आईपीएस चिराग जैन के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर अधिक से अधिक गुम महिला, बालिका दस्तयाब करने

के दिशा निर्देश दिए गए हैं। एसपी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति सम्बन्धी अपराधों के निराकरण में तेजी लाते हुए प्रकरण के आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने एवं थाना क्षेत्र में मुखबिर सूचना संकलन तेज करने के साथ साथ थाना,चौकी प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्रों में बीट आरक्षक को अपने बीट क्षेत्र में मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने के दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान एसपी ने थाना, चौकी प्रभारियों को गंभीर अपराधों में विवेचना के दौरान एविडेंस कलेक्शन पर विशेष दिशा निर्देश देते हुए घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्य, पीड़ितों से प्राप्त आवश्यक बारीकी साक्ष्य एकत्रित किये जाने हेतु निर्देश दिए गए। गंभीर प्रकरणों की विवेचना में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाये जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी हुए सम्मानित

बैठक के दौरान इन्वेस्टीगेटर ऑफ़ द मंथ के तहत सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही मणिपुर थाना क्षेत्र में हुई चोरियों का खुलासा, सामूहिक अनाचार के मामले में त्वरित कार्रवाई एवं ठगी के प्रकरण में तत्काल 5 लाख की राशि रिकवर करने पर सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रत्येक 2 वार्ड पर एक हमर क्लिनिक खोले जाने का लक्ष्य

एक अन्य हमर क्लीनिक के लिए किया गया भूमि पूजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

अम्बिकापुर शहर में खुलने वाले एक अन्य हमर क्लीनिक शहरी हेल्थ और वेलनेस सेंटर का भूमिपूजन जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव द्वारा बरेज तलाब के निकट किया गया। अम्बिकापुर शहर में कुल 16 हमर क्लीनिक खुलने की स्वीकृति है। भूमिपूजन के उपरांत एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का लक्ष्य है कि प्रत्येक 2 वार्ड पर एक हमर क्लिनिक खोला जाए। लक्ष्य के अनुरूप कारवाई चल रही है। सभा को संबोधित करते हुए कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त केबिनेट मंत्री शफी अहमद ने कहा कि टीएस सिंहदेव के स्वास्थ्य मंत्री रहते प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। आजादी के बाद से 2018 तक जितने काम हुए उससे 10 गुना ज्यादा काम पिछले 4 वर्ष में हुआ है। भूमिपूजन के उपरांत हुई सभा को औषधीय पादप बोर्ड अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त केबिनेट मंत्री बालकृष्ण पाठक एवं महापौर डॉ. अजय तिर्की ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जेपी श्रीवास्तव, राकेश गुप्ता, विनय शर्मा, मो. इस्लाम, शफीक खान, रूही गजाला, नुजहत फातिमा, मो. हसन, शैलेंद्र सोनी, अनूप मेहता, अशफाक अलि, आशीष वर्मा, गुरुप्रीत सिंधु, मो. कलीम, मो. काजू खान, मो. बाबर, विकल झा, प्रतिका विश्वकर्मा, रजनीश सिंह, नितेश केशरी, चंद्रभूषण सिंह, विकास केशरी, अनिल अग्रवाल सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

CMYK

पाकिस्तानी सेना का दावा-बलूच अलगाववादी समूह का संस्थापक गिरफ्तार,चलाया 'हाईप्रोफाइल' खुफिया ऑपरेशन

इस्लामाबाद,07अप्रैल 2023। पाकिस्तान इस समय इतिहास के अभूतपूर्व राजनीतिक और आर्थिक संकट से गुजर रहा है। सुप्रीम कोर्ट दो प्रांतों में विधानसभा चुनाव कराने के लिए निर्देश दे चुकी है। देश में आटे के लिए लंबी कतारें लगी हैं। ऐसे में सेना और सरकार असली मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के नए-नए हथकंडे अपना रही है। इस बीच, सेना ने दावा किया है कि उसने एक सफल खुफिया ऑपरेशन में अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक प्रतिबंधित अलगाववादी समूह के संस्थापक को गिरफ्तार किया है। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में बताया कि गुलजार इमाम उर्फ शाम्बे को योजनाबद्ध अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया। उसने कई स्थानों की महीनों तक यात्रा किया।

हिंसक विद्रोह का गढ़ अशांत बलूचिस्तान प्रांत

ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा संसाधन संपन्न बलूचिस्तान प्रांत लंबे समय से चल रहे हिंसक विद्रोह का गढ़ रहा है। बलूच विद्रोही समूह इससे पहले 60 अरब डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना को निशाना बनाकर कई साहसिक हमले कर चुके हैं। सेना ने कहा, पकड़ा गया शख्स प्रतिबंधित बलूच नेशनल आर्मी का संस्थापक और नेता भी था, जिसका गठन बलूच रिपब्लिकन आर्मी (बीआरए) और यूनाइटेड बलूच आर्मी (यूबीए) के विलय के बाद किया गया था। हालांकि, बयान में यह नहीं बताया गया है कि आतंकवादी को कहां पकड़ा गया था।

शरीफ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक

आईएसपीआर ने हिरासत में लिए गए व्यक्ति को पाकिस्तान के खिलाफ काम कर रही खुफिया एजेंसियों से संबंध होने के संदेह में %उच्च मूल्य वाला लक्ष्य% बताया है। गिरफ्तारी की खबर ऐसे समय में आई है, जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक हो रही है। बीते कुछ महीनों से देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। आतंकवादी समूह देशभर में खुलेआम हमलों को अंजाम दे रहे हैं।

वार्ता टूटने के बाद टीटीपी-बलूच संगठनों ने तेज किए हमले

नवंबर में पाकिस्तान तालिबान (टीटीपी) के साथ वार्ता टूटने के बाद आतंकवादी समूह ने अपने हमले तेज कर दिए। टीटीपी ने खासतौर पर खैबर पख्तूनख्वा और अफगानिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों में पुलिस को निशाना बनाया। बलूचिस्तान में विद्रोहियों ने भी अपनी हिंसक गतिविधियां तेज की हैं और टीटीपी के साथ गठजोड़ को औपचारिक रूप दिया है। आईएसपीआर के बयान के मुताबिक, इमाम को एक हाई प्रोफाइल और सफल खुफिया ऑपरेशन में पकड़ा गया। इसमें कहा गया है कि बीएनए ने देश में कई हिंसक आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया है, जिसमें पंजगुर और नोशकी में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना भी शामिल है। इमाम 2018 तक बीआरए में ब्रह्मदाग बुगती के डिप्टी के रूप में बना रहा।

सेना का दावा- अफगानिस्तान और भारत की यात्रा कर चुका शख्स

सेना ने दावा किया है, अफगानिस्तान और भारत की उसकी यात्राएं भी ऑन रिकॉर्ड हैं। खुफिया एजेंसियों के साथ उसके संबंधों की जांच की जा रही है। बयान में आगे कहा गया है कि गुलजार इमाम की गिरफ्तार बीएनए के साथ-साथ अन्य आतंकवादी समूहों के लिए एक गंभीर झटका है, जो बलूचिस्तान में कड़ी मेहनत से अर्जित शांति को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

टॉप सीक्रेट दस्तावेज लीकः

हथियारों की सप्लाई से लेकर यूक्रेनियन सेना की ट्रेनिंग तक

नई दिल्ली,07अप्रैल 2023। रूस-यूक्रेन को लेकर अमेरिका का एक टॉप सीक्रेट दस्तावेज लीक हो गया है। इसमें युद्ध की तैयारियों से लेकर व्यवस्था तक की बातों का जिक्र किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह दस्तावेज चार से पांच हफ्ते पुरानी बताई जा रही है। इसमें ये भी बताया गया है कि किस तरह से रूस के साथ युद्ध में नाटो सदस्य देश और अमेरिका यूक्रेन की मदद करेगा। कैसे उन्हें हथियारों की सप्लाई करेगा। लीक दस्तावेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अमेरिकी एजेंसी पेंटागन ने इसे सुरक्षा का उल्लंघन बताया है।

अमेरिका ने क्या कहा?

सोशल मीडिया पर लीक हुए दस्तावेज पर अमेरिका के उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह का बयान आया है। उन्होंने कहा, %हम सोशल मीडिया पोस्ट की रिपोर्टों से अवगत हैं और विभाग मामले की समीक्षा कर रहा है।% लीक दस्तावेजों में हथियारों की डिलीवरी, सेना की ताकत और अन्य जानकारी के चार्ट और विवरण शामिल हैं। हालांकि, यह जानकारी कम से कम पांच सप्ताह पुरानी है।

लीक दस्तावेज में क्या-क्या शामिल?

दस्तावेजों में 12 यूक्रेन लड़ाकू ब्रिगेडों के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल थे। इसमें खुलासा किया गया था कि उनमें से नौ को अमेरिका और नाटो बलों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा था। इसके अलावा 250 टैंकों और 350 से अधिक मशीनीकृत वाहनों की आवश्यकता का भी जिक्र है।

आटे की किल्लत के बीच सिंध सरकार से गुहार,अफगानिस्तान में चोरी छिपे जाने वाले गेहूं पर लगाएं रोक

पाकिस्तान,07 अप्रैल 2023। सिंध अबदगर बोर्ड (एसएबी) के स्थानीय नेताओं और छोटे उत्पादकों ने सिंध सरकार से अफगानिस्तान में चोरी छिपे गेहूं भेजने वालों पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर इस तस्करी को नहीं रोका गया तो आने वाले समय में गेहूं की मारा-मारी देखने को मिलेगी। इसलिए सही समय पर इसपर लगाम लगानी चाहिए।

एक लाख मिलती है रिश्वत

उन्होंने जल्द से जल्द खाद्य और जिला प्रशासन के उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जो हैदराबाद, मिरपुरखास, शाहीद बेनजीराबाद, सक्कुर और लरकाना क्षेत्र से अफगानिस्तान में गेहूं की अवैध आवाजाही में कथित रूप से शामिल हैं। इन लोगों का कहना है कि बड़े व्यवसायी अधिकारियों को प्रति वाहन 75 हजार से एक लाख रुपये तक रिश्वत दे रहे हैं।

हर दिन 200 वाहन की आवाजाही

लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि एक मार्च से हर दिन गेहूं से लदे भारी 200 वाहन दादू जिले के जोही, खैरपुर नाथन शाह, मेहर और दादू तालुका से अफगानिस्तान जा रहे हैं। खाद्य विभाग व जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के अधिकारी उन्हें सीमा पार करने में मदद करते हैं। दादू तालुका के गेहूं उत्पादक मोहम्मद सलीह पन्ह-वार ने कहा कि प्रति वाहन एक लाख रुपये तक इन लोगों को रिश्वत दी जाती है। वहीं, एक अन्य गेहूं उत्पादक ने आरोप लगाया कि स्थानीय खाद्य अधिकारी और दादू प्रशासन के अधिकारी गेहूं से लदे वाहनों की जांच के बहाने रिश्वत लेते हैं।

अधिकारी का बयान

इस मामले में सिंध खाद्य विभाग के निदेशक सैयद इमदाद शाह ने कहा कि गेहूं तस्करी में शामिल लोगों के लाइसेंस 2023 की खरीद सीजन में 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिए जाएंगे।

एक अप्रैल को हुई थी भगदड़ की घटना

गौरतलब है, इससे पहले एक अप्रैल को पाकिस्तान के कराची में फ्री राशन को लेकर भगदड़ मच गई थी। इस भगदड़ में मरने वालों की संख्या 12 बताई गई थी। इसमें 9 महिलाएं शामिल थीं। दरअसल, पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची के नॉरिस चौरंगी में रंगाई कारखाने में गरीबों को फ्री का राशन बांटा जा रहा था। इसी दौरान भगदड़ मच गई थी। इसमें दर्जन भर लोगों की मौत और कई लोग घायल हो गए थे।

दक्षिण अफीका में पति से पैसे ऐंठने के लिए भारतीय मूल की महिला ने चली ऐसी चाल,हो सकती है जेल

जोहानिसबर्ग,07अप्रैल 2023। दक्षिण अफ्रीका में एक भारतीय मूल की महिला ने अपने पति से पैसे लेने के लिए ऐसी योजना बनाई कि महिला को अब इसके लिए जेल भी हो सकती है। दरअसल महिला ने खुद के अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी और अपने पति से फिरौती की मांग कर डाली। हालांकि पुलिस की जांच में महिला पकड़ी गई और अब उस पर आरोप तय कर मुकदमा चलाया जाएगा। ऐसे में महिला को ज्यादा चालाकी भारी पड़ गई है कि अब अगर महिला अदालत में दोषी पाई जाती है तो उसे जेल भी जाना पड़ सकता है।

क्या है मामला

47 वर्षीय फिरोजा बी जोसेफ के पति को सोमवार को एक अज्ञात नंबर से कॉल आई, जिसमें उन्हें बताया गया कि उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया गया है और महिला को छोड़ने के बदले में 20 लाख रैंड यानी कि भारतीय मुद्रा में करीब 90 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। इसके बाद महिला के पति को एक और फोन आया, जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति ने धमकी देते हुए कहा कि अगर जल्द फिरौती की रकम नहीं पहुंचाई गई तो महिला की जान भी जा सकती है।

पुलिस की जांच में पकड़ी गई

इस पर फिरोजा के पति ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच की तो पाया कि फिरोजा फोन आने से कुछ समय पहले पीटरमारिट्जबर्ग इलाके के एक कैसिनो में दिखाई दी थी। इसके बाद पुलिस ने फिरोजा की लोकेशन का पता लगाया और उसे एक होटल के कमरे से बरामद कर लिया। पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि उसने ही अपने अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी थी। महिला ने होटल में फर्जी नाम से कमरा बुक कराया और वहां आराम से रह रही थी। महिला ने आरोप लगाया था कि उसकी ज्वैलरी चोरी हो गई है। हालांकि जांच में ज्वैलरी भी महिला के पास से बरामद कर ली गई।

महिला ने अपने ही अपहरण की झूठी कहानी क्यों गढ़ी? फिलहाल पुलिस इसका पता लगाने की कोशिश कर रही है और महिला से पूछताछ कर रही है। महिला पर आरोप तय कर दिए गए हैं लेकिन उसे अगली सुनवाई तक के लिए जमानत दे दी गई है। अब कोर्ट 7 जून को इस मामले में सुनवाई करेगा।

कनाडा में नकाबपोश हमलावरों ने हिन्दू मंदिर में की तोडफ़ोड़,दिवारों पर लिखे भारत विरोधी नारे

कनाडा,07अप्रैल,2023। कनाडा में एक बार फिर हिंदू मंदिर में तोडफ़ोड़ का मामला सामने आया है। विंडसर में एक हिंदू मंदिर पर कुछ नकाबपोश हमलावरों ने हमला कर दिया। मंदिर में तोडफ़ोड़ की और दीवारों पर हिंदू और भारत विरोधी नारे लिखे।

इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दो संदिग्धों को मंदिर पर हमला करते हुए देखा गया है। कनाडा की स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, कनाडा की ऑन्टेरियो के विंडसर में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर के अंदर यह घटना बीते दिन यानी 5 अप्रैल को हुई। कनाडा की स्थानीय पुलिस की तरफ से पोस्ट किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि दो संदिग्ध युवक मंदिर के अंदर घुसते हैं और तोडफ़ोड़ करते हैं। वीडियो में एक संदिग्ध तोडफ़ोड़ करने के साथ इमारत की दीवार पर कुछ लिखता हुआ दिखाई देता है, जबकि दूसरा कुछ दूरी पर खड़ा हुआ नजर आया। कनाडा की स्थानीय पुलिस का कहना है कि जांच में मिले वीडियो में दोनों युवकों को रात में करीब 12 बजे मंदिर पर हमला करते हुए देखा गया। फिलहाल संदिग्धों के साक्ष्य जुटाते हुए उनकी तलाश की जा रही है।

अफगानिस्तान में तालिबानियों की सख्ती के बीच महिलाओं ने शुरू किया खुद का उद्यम

नई दिल्ली,07अप्रैल 2023। अफगानिस्तान में जब से तालिबानी हुकूमत आई है, तब से महिलाओं पर अत्याचार बढ़ गए हैं। महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। पढ़ाई से लेकर रोजगार तक पर तालिबानी सरकार ने कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इस बीच, कुछ महिलाओं ने नौकरी खोने के बाद अपना खुद का उद्यम शुरू किया है।

तालिबानी सरकार ने महिलाओं के सरकारी और गैर-सरकारी दफ्तरों में महिलाओं के कामकाज पर कड़ा प्रतिबंध लगाया है। सख्त नियम के चलते बड़ी संख्या में महिलाओं की नौकरी चली गई। अब कई पूर्व महिला कर्मचारियों ने अपना खुद का उद्यम शुरू किया है।

बड़ी संख्या में विदेश भाग चुकी हैं महिलाएं

अफगानिस्तान में तालिबानी हुकूमत आने के बाद से बड़ी संख्या में महिलाएं देश छोड़कर विदेश भाग चुकी हैं। जो किसी कारण विदेश नहीं जा सकीं, अब उनके सामने कई तरह की परेशानियां हैं। ञ्चह्लह्व ठ्ठद्ग2ह्य के अनुसार, अब कई महिलाएं अपना घर चलाने के लिए उद्यम शुरू कर रहीं हैं।

सिमा नाम की एक महिला के बारे में बताया। सिमा एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए काम करती थीं। तालिबानी सरकार आने के बाद उनकी नौकरी चली गई। वह परिवार में कमाने वाली इकलौती थीं। इसलिए उन्होंने अब एक भरवां फ्लैटब्रेड बोलानिस का उत्पादन शुरू कर दिया है।

सिमा ने कहा कि उन्होंने अपने कारोबार में 10,000 एएफ का निवेश किया है। अफगान समाचार एजेंसी ने उनके हवाले से कहा, जब इस्लामिक अमीरात ने सत्ता संभाली, तो मैंने अपनी नौकरी खो दी। मैंने रिश्तेदारों से कुछ पैसे उधार लिए और जीवन की कठिनाइयों का सामना करने और घर का किराया देने के लिए अपना छोटा व्यवसाय शुरू किया।

बर्फीले तूफान के चलते दो की मौत,कनाडा में लाखों लोग अंधेरे में रहने को मजबूर

ओटावा,07 अप्रैल 2023। कनाडा के क्युबेक प्रांत में गुरुवार को आए बर्फीले तूफान के चलते दो लोगों की मौत हो गई। वहीं तूफान के चलते लाखों घर अंधेरे में डूब गए हैं। दरअसल तूफान के चलते राज्य की बिजली संचार व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। वहीं बर्फीले तूफान के साथ ही तेज बारिश भी हुई और कई पेड़, मकान क्षतिग्रस्त हुए और बिजली के खंभे भी गिर गए। फिलहाल बिजली संचार व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की जा रही है।

शुक्रवार रात तक मिल सकती है राहत

खबर के अनुसार, क्युबेक प्रांत में गुरुवार को आए बर्फीले तूफान और बारिश की वजह से राज्य के लाखों घर अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। गुरुवार को आए तूफान की वजह से लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। क्युबेक में बिजली की सप्लाई करने वाली संस्था हाइड्रो क्युबेक का कहना है कि 70-80 फीसदी घरों में शुक्रवार रात तक स्थिति सामान्य हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सात लाख लोग अभी भी बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं।

पेड़ों के गिरने कई मकान क्षतिग्रस्त

इनमें से आधे लोग करीब साढ़े तीन लाख मांट्रियल शहर में रहते हैं। जिन इलाकों में बिजली नहीं है, उनके लिए कनाडा की सरकार ने इमरजेंसी ओवरनाइट शेल्टर मुहैया कराए हैं, जहां लोग रात गुजार सकते हैं। कनाडा में आए बर्फीले तूफान के बाद कई इलाकों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। पेड़ों के गिरने से कई घर और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जिन दो लोगों की मौत हुई है, वो भी पेड़ गिरने की वजह से हुई।

दुबई बस हादसे में घायल भारतीय को मिलेगा 11 करोड़ रुपए का मुआवजा,अदालत का आदेश

दुबई,07अप्रैल 2023। साल 2019 में दुबई में एक भीषण बस हादसा हुआ था। उस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई थी। उस हादसे में एक भारतीय युवक भी गंभीर रूप से घायल हुआ था। अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दुबई की एक अदालत ने भारतीय युवक को पांच लाख दिरहम यानी कि करीब 11 करोड़ रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। बता दें कि भारतीय युवक मुहम्मद बेग मिर्जा, दुबई में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। 2019 में जब वह ओमान से दुबई आ रहा था तो जिस बस में वह सवार था, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में बस में सवार 31 यात्रियों में से 17 की मौत हो गई थी, जिनमें से 12 भारतीय थे।

अदालत के आदेश पर मिला मुआवजा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा मेट्रो स्टेशन पार्किंग में हुआ, जब बस एक बैरियर से टकरा गई थी। इससे बस का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इस मामले में बस के ड्राइवर को सात साल की सजा हुई थी और साथ ही उसे पीड़ित परिवारों को 34 लाख दिरहम मुआवजे के तौर पर देने का आदेश दिया गया। मुहम्मद बेग मिर्जा के वकील ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात की इंश्योरेंस अथॉरिटी ने पहले युवक को 10 लाख दिरहम मुआवजे के तौर पर दिए लेकिन इसके खिलाफ उन्होंने दुबई की एक अदालत में याचिका दायर की और 50 लाख दिरहम मुआवजे की मांग की।

हादसे में बुरी तरह घायल हुआ मुहम्मद बेग मिर्जा

बता दें कि बस हादसे में मुहम्मद बेग मिर्जा का मस्तिष्क 50 फीसदी तक क्षतिग्रस्त हो चुका है। ओमान के मस्कट में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मिलने के बाद मुहम्मद बेग वापस दुबई लौट रहा था, जहां वह मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा कर रहा था। हादसे की वजह से उसकी पढ़ाई छूट गई और वह दिव्यांग हो चुका है।

अमेरिकन सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ट्रांसजेंडर एथलीट पर प्रतिबंध लगाने से किया इनकार,कही ये बड़ी बात

नई दिल्ली,07 अप्रैल 2023। अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वेस्ट वर्जीनिया को पब्लिक स्कूलों के महिला खेल टीमों से ट्रांसजेंडर एथलीटों पर प्रतिबंध लगाने वाले राज्य के कानून को लागू करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने इसको लेकर टिप्पणी भी की। कोर्ट ने कहा कि ये एलजीबीटीक्यू के अधिकारों के साथ खिलवाड़ करना होगा।

न्यायाधीशों ने वेस्ट वर्जीनिया के उस कानून के खिलाफ निषेधाज्ञा को हटाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया, जिसे एक निचली अदालत ने लगाया था। एक 12 साल की ट्रांसजेंडर लड़की बेकी पेपर-जैक्सन ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। पेपर जैक्सन रूढ़िवादी जस्टिस सैमुअल अलिटो और क्लेरेंस थॉमस के सार्वजनिक रूप से किए गए फैसले से असहमत थे।

2021 में पारित किया गया था कानून

2021 में वर्जीनिया में एक कानून पारित किया गया था। इसके अनुसार, स्कूलों और विश्वविद्यालयों में महिला खेलों में ट्रांसजेंडर को खेलने पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके खिलाफ याचिका दायर करते हुए पेप्पर-जैक्सन और उनकी मां हीथर ने तर्क दिया कि कानून अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन कानून के तहत समान सुरक्षा की गारंटी के साथ-साथ शीर्षक ढ्ढङ्ग नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन करता है। ये सेक्स और ट्रांसजेंडर स्थिति के आधार पर भेदभाव करता है। ये शिक्षा में भेदभाव भी करता है।

वेस्ट वर्जीनिया ने एक अदालती फाइलिंग में कहा कि यह कानूनी रूप से एथलेटिक टीमों को लैंगिक पहचान के बजाय सेक्स द्वारा असाइन कर सकता है %जहां पुरुषों और महिलाओं के बीच जैविक अंतर अलग-अलग टीमों के मौजूद होने का कारण है।

वेस्ट वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल पैट्रिक मॉरिस ने कहा कि वह इस फैसले से %गहरे तौर पर निराश% थे, लेकिन भविष्यवाणी की कि राज्य अंततः प्रबल होगा। उन्होंने कहा, %यह सिर्फ बुनियादी निष्पक्षता और सामान्य ज्ञान है कि जैविक पुरुष महिलाओं के खेल में नहीं खेलते हैं।

क्या शुक्ला और तिवारी ने छोड़ी टिकट की आस,क्या जायसवाल बनेंगे मुंगेरीलाल ?

» क्या वर्तमान विधायक ही होंगी कांग्रेस से आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से प्रत्याशी ?

» बैकुंठपुर विधानसभा में कांग्रेस में विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनने लगी थी होड़

» कोई चमत्कार ही अब वर्तमान विधायक की टिकट कटने का हो सकता है जिम्मेदार

» भइया-भाभी का है विधायक के लिए आशीर्वाद,मिलेगा टिकट है कंफर्म ?

» विधायक भी चुनावी वर्ष में सुधार रहीं हैं परफोर्मेन्स,कर रहीं लगातार जनसंपर्क

» चार वर्ष तक विधायक को हर गली-चौराहे पर कोशने वाले भी आर्थिक लाभ मिलते हो गए विधायक के खास

» वहीं चार साल साथ रहने वाले विधायक से हुए दूर,बढ़ रही लगातार विधायक से और दूरी

– रवि सिंह–
बैकुण्ठपुर 07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में सत्ताधारी दल के भीतर पिछले कुछ समय से विधानसभा चुनाव में दावेदारों की लंबी कतार नजर आ रही थी। बैकुंठपुर से जिला पंचायत उपाध्यक्ष, रनई जमींदार और पूर्व जनपद उपाध्यक्ष वर्तमान विधायक के अलावा कांग्रेस से उम्मीदवार की दौड़ में शामिल चल रहे थे और अब जब चुनाव बिल्कुल करीब आ चुका है यह स्पष्ट नजर आ रहा है की वर्तमान विधायक का ही टिकट तय है शेष को फिलहाल टिकट नहीं मिल रहा है जैसा की सूत्रों का कहना है,वहीं टिकट की दौड़ में सबसे आगे चल रही वर्तमान विधायक अपनी टिकट पक्की मान रहीं हैं और उन्हे विश्वास है की उनको ही टिकट मिलेगा और वह चार साल बाद अपनी परफॉर्मेंस सुधारने में लगी हुई हैं और ताबड़तोड़ दौरा उनकी तरफ से चार साल बाद जारी है और वह जनसंपर्क में लगी हुई हैं।

तिवारी को शुक्ला पसंद नहीं करते, शुक्ला को तिवारी पसंद नहीं करते, गुप्ता को अजहर पसंद नहीं करते, अजहर गुप्ता को पसंद नहीं करते, विधायक इन सभी को पसंद नहीं करती, संगठन विधायक को पसंद नहीं करता, बाकी सभी विधायक को पसंद नहीं करते कुछ ऐसा ही बैकुण्ठपुर विधानसभा में देखा या सुना जा रहा है। ऐसे में आगामी विधानसभा में कैसे जीत दर्ज होगी यह बड़ा सवाल है। संगठन में बदलाव ना होना भी कांग्रेस के लिए समझ से परे हैं जिला तो अलग हो गए पर जिले के अध्यक्ष अलग नहीं हुए संगठन के बदलाव का इंतजार आज भी जारी है और चुनाव में समय काफी कम बचा है सूत्रों की माने तो पार्टी भी अब बदलाव करने से डर रही है कि कहीं नुकसान ना हो जाए क्योंकि समय काफी कम है कम समय में नुकसान की भरपाई करना मुश्किल पड़ सकता है।

वर्तमान विधायक की टिकट है कंफर्म,सूत्र

सूत्रों की माने तो वर्तमान विधायक की टिकट कांग्रेस से कन्फर्म है और वह स्वयं भी आश्वस्त हैं। विधायक की टिकट उनकी परफॉर्मेंस के आधार पर काटी जा सकती थी और इसलिए विधायक लगातार अपनी छवि सुधारने में लगी हुई हैं और ताबड़तोड़ दौरा उनका जारी है। विधायक पिछले चार सालों तक जनसंपर्क में जहां बिल्कुल पीछे थीं वहीं अब चुनाव नजदीक आते ही उनका जनसंपर्क तेज हो गया है और वह हर उस जगह जाने का प्रयास कर रहीं हैं जहां से उन्हें चुनाव में मदद मिल सकती है। वर्तमान विधायक लोगों के बीच पहले जाने से जहां गुरेज करती थी ज्यादातर समय जहां वह क्षेत्र से बाहर रहती थीं चुनाव नजदीक आते ही वह लोगों से सीधा संवाद कर रहीं हैं और लोगों को उनकी समस्याओं से निजात दिलाने की बात कर रहीं हैं। कुल मिलाकर चुनाव नजदीक आते ही जनता की याद उन्हे आने लगी है और वह जनता से सरोकारों से रिश्ता कायम करने लगी हैं।

कुछ क्षेत्रों से विधायक को है ज्यादा उम्मीद,लगातार उन क्षेत्रों में कर रहीं दौरा

विधायक को कुछ क्षेत्रों से ज्यादा ही उम्मीद है और कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जहां उन्हे उम्मीद कम है समर्थन का। जिन क्षेत्रों से विधायक को ज्यादा उम्मीद है उन क्षेत्रों में बचरा पोड़ी और चरचा नगरपालिका क्षेत्र मुख्य हैं और इन क्षेत्रों में विधायक ज्यादा मेहनत करती नजर आ रही हैं। वहीं पटना क्षेत्र से विधायक को उम्मीद जरूरत के हिसाब से कम है जहां उनका जनसंपर्क भी कम है और वह इन क्षेत्रों में कम ही नजर आती हैं।

भइया-भाभी का है आशीर्वाद टिकट वर्तमान विधायक का होगा तय

सूत्रों की माने तो भइया और भाभी ने अपने क्षेत्रीय दौरे के दौरान अन्य टिकट के दावेदारों को यह चेता दिया है की टिकट वर्तमान विधायक का ही तय है और उन्हीं के लिए चुनाव में काम करना है यह मानकर ही पार्टी की विचारधारा और सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच लेकर जाएं अन्य। विधायक भी भइया भाभी के इस समर्थन के बाद विश्वास से भरी हुई हैं और वह अपना टिकट तय मानकर जनसंपर्क कर रहीं हैं।

अन्य उम्मीदवारों को करना पड़ सकता है अभी इंतेजार,टिकट की दौड़ से फिलहाल हैं बाहर

अन्य उम्मीदवार जो कांग्रेस पार्टी के ही पदाधिकारी हैं उन्हें इस चुनाव में टिकट नहीं मिल रहा है और उन्हे इस चुनाव में इंतजार करना पड़ सकता है यह तय नज़र आ रहा है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष, रनई जमीदार और पूर्व जनपद उपाध्यक्ष को इस बार पार्टी टिकट देने पर विचार शायद न करे यह हालिया घटी घटनाओं से तय नजर आ रहा है। वैसे टिकट की आस में चुनाव लड़ने की मंशा रखने वाले सभी नेता अभी टिकट की आस छोड़े नहीं हैं और वह अंतिम समय तक टिकट की दौड़ में शामिल रहने वाले हैं और किसी चमत्कार के भरोसे वह यह उम्मीद संजोए हुए हैं की उन्हे अवसर मिल सकता हेयर वह उम्मीदवार बनाए जा सकते हैं।

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष का सपना मुंगेरीलाल के सपने न साबित हो जाए

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष जो अपनी टिकट को लेकर सबसे ज्यादा आश्वस्त हैं उनके सपने मुंगेरीलाल के सपने न साबित हो जाएं यह भी संभावना बन सकती है जैसा की माना जा रहा है। यदि पूर्व जनपद उपाध्यक्ष को टिकट नहीं मिलता है तो उन्हें गहरा झटका लग सकता है क्योंकि उन्होंने विगत वर्षों में जिस तरह जनसंपर्क किया है जिस तरह उन्होंने लोगों से गांव गांव हाट बाजार बाजार जाकर मुलाकात की है और खर्च किया है वह सब कुछ बेकार चला जायेगा और उनकी सारी मेहनत पर पानी फिर जाएगा। पूर्व जनपद उपाध्यक्ष वैसे अभी अभी अपनी टिकट को लेकर आश्वस्त हैं और वह चुनाव में कैसे जीत दर्ज करनी है यह समीकरण भी बना चुके हैं। अब भविष्य में टिकट जिसे भी मिले लेकिन सरकार की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने में जो मेहनत पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ने किया है उसे नकारा नहीं जा सकता और पार्टी भी इस बात से इंकार नहीं कर सकती की वह जिलाध्यक्ष और विधायक से ज्यादा जनसंपर्क कर चुके हैं और सरकार की उपलब्धियां गिनवा चुके हैं।

विधायक के करीबी हुए दूर,चार साल तक कोसने वाले आर्थिक लाभ मिलते हुए करीब

वैसे वर्तमान विधायक के लिए आने वाले समय में कुछ अच्छे अनुभव भी सामने आने वाले हैं और कुछ बुरे अनुभव भी उन्हे मिले हैं। विधायक को विगत चार वर्षों तक जो लोग चौक चौराहों में बैठकर पार्टी के सदस्य होने के बावजूद कोसा करते थे उनकी आलोचना करते थे वह जरा सा आर्थिक लाभ मिलते ही उनकी प्रसंशा करने लगे हैं और अब विधायक के सबसे करीबी हो गए हैं। गिरगिट की तरह हर चुनाव में रंग बदलने में माहिर यह ऐसे लोग हैं जिन्हें केवल अपने लाभ से मतलब है और लाभ मिलते ही उनकी करवट बदल जाती है और वह किसी भी तरफ करवट ले लेते हैं ऐसे लोग अब विधायक के सलाहकार हैं और सबसे खास हैं वहीं जो लोग पिछले चुनाव में विधायक के सारथी थे और उनकी जीत सुनिश्चित करने में सहायक थे वह विधायक से दूर हो चुके हैं और अब उनकी दूरी बढ़ती भी जा रही है जो चुनाव में विधायक के लिए मुस्किल वाली बात हो सकती है।

भारतीय युवा कांग्रेस के पोस्टकार्ड अभियान 'जवाब दो मोदी जी' एवं 'यंग इंडिया के बोल' के पोस्टर का राजीव भवन बैकुंठपुर में विमोचन किया गया

– संवाददाता –
बैकुण्ठपुर,07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय युवा कांग्रेस के पोस्टकार्ड अभियान 'जवाब दो मोदी जी' एवं 'यंग इंडिया के बोल' का बुधवार को राजीव भवन बैकुंठपुर में विमोचन किया गया। जिसमे छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव व कोरिया सह प्रभारी श्री विष्णु सिंह देव ने बताया कि युवा कांग्रेस इस अभियान के तहत जिला विधानसभा क्षेत्रो में कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली आवास पते पर पोस्टकार्ड पत्र भेजेगी। पोस्टकार्ड में पूंजीपती अडानी ओर पी एम मोदी के मित्रता के सम्बंध में तीन प्रश्न पूछे गए।

युंका जिलाध्यक्ष राम सजीला यादव ने कहा कि मित्र अडानी को बचाने के लिए सबसे मजबूत लोकतंत्र का आज मजाक तंत्र बना कर रख दिया है मोदी सरकार द्वारा लोकतंत्र की हत्या कर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की जिसके विरोध में युवा कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है इसी कड़ी में पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया गया है। कोरिया युवा कांग्रेस ने हर विधानसभा से 5000 पोस्टकार्ड भेजने का लक्ष्य रखा है जिसमे बढ चढकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्तों ग्रामीण अंचल तक जाकर पोस्टकार्ड भरवाएंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजेंगे। साथ ही यंग इंडिया के बोल युवा कांग्रेस द्वारा आज कांग्रेस भवन में यंग इंडिया के बोल सीजन 3 का पोस्टर विमोचन किया गया एवं यंग इंडिया बोल सीजन 03 के संभाग श्री शिवांश राजू जैन, श्री ऋषि राज सिंह ने बताया इसे गुगल फार्म के माध्यम से भाग ले सकते है, यंग इंडिया के बोल के माध्यम से प्रदेश स्तरीय युवाओं की आवाज को जिला प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय पटल तक ले जाने के लिए ये एक अच्छा राजनीतिक प्लेट फार्म है इससे युवाओं को जमीनी स्तर से निकल कर जिला प्रदेश एवं राष्ट्रीय पटल पर अपनी बातें रखने का मौका मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान छत्तीसगढ़ संसदीय सचिव श्रीमती अम्बिका सिंह देव, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री नजीर अजहर, संगठन प्रभारी प्रवीर भट्टाचार्य, बैकुंठपुर ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, जिला प्रवक्ता आशीष डबरे, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष मजिन्दर कौर, गणेश राजवाड़े, संगीता राजवाड़े, लक्ष्मी सिंह, लवकुश साहू, छवि शंकर सिरदार, मोनू मांझी, मनीष सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झण्डावाला रामचरित मानस गायन वादन का 52 वाँ प्रतियोगिता कटकोना में हुई आयोजित

» 54 साल से अनवरत् झण्डा लेने की परम्परा जारी,चैत पूर्णिमा में होता है कार्यक्रम

– संवाददाता –
बैकुण्ठपुर/पटना, 07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

झण्डावाला रामचरित मानस गायन वादन का 52 वाँ प्रतियोगिता कटकोना में आयोजित किया गया है जो तीन दिन तक चलेगा। 54 साल से अनवरत झण्डा लेने की परम्परा जारी है, चैत पूर्णिमा में होता है कार्यक्रम। रामचरित मानस गायन वादन प्रतियोगिता की अनुठी परम्परा का शुभारंभ पटना से हुई थी। श्री हनुमान जयंती पर्व पर तुलसीकृत राम चरित मानस गायन वादन महासम्मेलन कोरिया जिले के कटकोना में गुरूवार से प्रारंभ है। रामचरित मानस गायन वादन सम्मेलन पिछले 54 वर्षो से अनवरत चला आ रहा है। इस परम्परा के तहत कार्यक्रम स्थल से झण्डा लेने वाले मण्डली को यह प्रतियोगिता कराना होता है। इसी परम्परा का निर्वहन करते इस वर्ष कोयलाचंल नगरी कटकोना में कार्यक्रम होना है। प्रतियोगिता श्री हनुमान जंयती के पावन पर्व पर आयोजन किया जाता है।

तीन दिन की होगी प्रतियोगिता

कार्यक्रम के कार्यकारी अध्यक्ष योगेन्द्र मिश्रा ने बताया कि हमारे कटकोना कॉलरी के शिवमंदिर प्रांगण में यह कार्यक्रम होगा जिसमें 109 मानस गायन मण्डिलयों ने भाग लिया है। यह प्रतियोतिगता संध्या 07 बजे से 06 अप्रैल से लेकर 08 अप्रैल तक चलेगी। पुरस्कार के तौर पर पुरूष, महिला व बाल मानस मण्डली इस प्रतियोगिता में षामिल हो सकेंगे जिसमें प्रथम पुरस्कार के तौर पर 11 हजार, द्वितीय 71 सौ, तृतीय 51 सौ, चतुर्थ 31 सौ, पंचम 21 सौ रखी गयी है। इस पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिये आयोजक समिति का गठन किया गया है जिसमें संरक्षक आर.के.मण्डल सहक्षेत्र प्रबंधक कटकोना, सहसंरक्षक एस.के. पाण्डेय, व्ही. एस. परिहार खान प्रबंधक, बिरंची सिंह सरपंच, के.के. शर्मा उपसरपंच, गणेश राजवाड़े सचिव, अध्यक्ष विनोद कुमार कार्मिक प्रबंधक है।

ऐसे हुई प्रारंभ

53 वर्ष पूर्व चैत पूर्णिमा श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मानस प्रेमी द्वारा ध्वज ले जाने की परम्परा की शुरूआत हुई। इस परम्परा में ध्वज ले जाने वाले गावं द्वारा इस सम्मेलन को कराया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव रामचरित मानस गा.वा. सम्मेलन केन्द्रीय समिति पटना के संरक्षक मदन गोपाल अग्रवाल ने बताया की ऐसे कार्यक्रम से भाईचारा, नैतिकता के साथ श्री राम के स्तुति और नव ऊर्जा का संचार होता है ऐसे प्रतियोगिता के माध्यम से लोक कला, संगीत, गायन वादन को बढ़ावा मिलता है।

पीएम मोदी ने कहा 2014 में केवल सत्ता परिवर्तन नहीं,भारत की नई यात्रा का शंखनाद हुआ

» भाजपा के स्थापना दिवस पर जिला कार्यालय में किया भाजपा के झंडे का ध्वजारोहण

» कार्यकर्त्ताओं ने जिला कार्यालय मे मनाया भाजपा पार्टी का स्थापना दिवस

– संवाददाता –
बैकुण्ठपुर 07 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी आज स्थापना दिवस भाजपा जिला कार्यालय मे जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल के नेतृत्व मे झण्डा ध्वजारोहण एवं महापुरुषों के छायाचित्र पर द्वीप प्रज्जवलित कर मनाया गया। इस अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी लाईव प्रसारण के माध्यम से बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें बधाई दी। पीएम मोदी ने इस दौरान हनुमान जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,बजरंग बली भारत की विकास यात्रा में प्रेरणा देते हैं। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सख्ती से पेश आने का जिक्र करते हुए कहा, 'जब हनुमान जी को राक्षसों का सामना करना पड़ा था तो वो उतने ही कठोर भी हो गए थे, इसी प्रकार से जब भ्रष्टाचार की बात आती है, जब परिवारवाद की बात आती है, कानून व्यवस्था की बात आती है तो भाजपा उतनी ही संकल्पबद्ध हो जाती है। बीजेपी के स्थापना दिवस के मौके पर देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. इस 43वें स्थापना दिवस के मौके पर बीजेपी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के पुनर्निर्वाचन के लिए अपने अभियान को भी आगे बढ़ाएगी। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर जिले के कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी अपने घर के छतों पर भी भारतीय जनता पार्टी के झंडा का ध्वजारोहण किया और बताया कि वह भारतीय जनता पार्टी के सच्चे सिपाही है जिसकी सरकार देश हित में कार्य करती हैं।

आज दुनिया की बड़ी पार्टी होने की उपलब्धी हासिल कर चुकी बीजेपी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी. इस नई पार्टी के गठन के बाद वर्ष 1984 के लोकसभा चुनाव में यह मात्र 2 सीट पर सिमट गई थी, वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में इसने 303 सीटों पर जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड कायम किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं अपने करोड़ों कार्यकर्ताओं को पार्टी के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं, आज के दिन हमारे सभी वरिष्ठ नेता जिन्होंने अपने खून-पसीने से इस पार्टी को सींचा ये हमारी जिम्मेदारी है, आज हमें यह संकल्प लेना है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमें एक क्षण के लिए भी बैठना नहीं है और हम पार्टी को और आगे ले जाएंगे। भाजपा जिला कार्यालय मे पार्टी स्थापना दिवस, बूथ सशक्तिकरण एवं संगठनात्मक गतिविधियों के संबंध मे भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल जी के अध्यक्षता मे बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक मे मुख्य रूप से संभागीय संगठन प्रभारी संजय श्रीवास्तव, जिला सह संगठन प्रभारी श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े, विधानसभा प्रभारी चिंटू राजपाल, पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाड़े,पूर्व सांसद कमलभान सिंह, मनेन्द्रगढ़ विधानसभा श्रीमती उदेश्वरी पैकरा, जिला उपाध्याय देवेन्द्र तिवारी, शैलेष शिवहरे, लक्ष्मण राजवाड़े, कमलेश यादव, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, जिला मंत्री बसंत राय, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, संवाद प्रमुख विमल गुप्ता, कुबेर साहू, कपिल जायसवाल, गोपाल राजवाड़े, अरुण जायसवाल, धीरेन्द्र साहू, धर्मवती राजवाड़े, वंदना राजवाड़े, सुनीता कुर्रे सहित अनेक कार्यकर्त्ता उपस्थित रहें।

विद्यार्थियों के लिए निशुल्क कैरियर चयन मार्गदर्शन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

भारत विकास परिषद द्वारा विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन 09 अप्रैल दिन रविवार को राजीव इंडोर ऑडिटोरियम (इंदिरा गांधी स्टेडियम) में किया जाएगा । राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के आतिथ्य में कोरबा कलेक्टर सहित ख्यातिलब्ध गाइन कॉलजिस्ट, अनुभवी विषय विशेषज्ञ छात्र-छात्राओं का करेंगे मार्गदर्शन । इस कार्यशाला में राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल, निगम के महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्याम सुंदर सोनी, सम्बलपुर के ख्यातिलब्ध चिकित्सक, सीए सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी प्रेस वार्ता के माध्यम से भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने दी। तिलक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए भारत विकास परिषद कोरबा के जिला अध्यक्ष महेश गुप्ता, कार्यक्रम के संयोजक एम.डी. मखीजा व धर्मेन्द्र कुदेसिया साथ ही प्रांतीय महासचिव कैलाश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि हाईस्कूल परीक्षा पास करने के पश्चात् छात्र-छात्राओं में भविष्य के लिए कैरियर चुनने में असमंजस की स्थिति बनी रहती है। वे साइंस, कॉमर्स, आर्ट्स सहित अन्य कोर्स को लेकर असमंजस में रहते हैं। लगभग यही स्थिति छात्र-छात्राओं के अभिभावकों की भी रहती है। चूंकि हाईस्कूल के बाद ही कैरियर की प्रारंभिक श्रेणी में छात्र-छात्रा कदम रखते हैं, यही से उनका भविष्य तय होता है, इसलिए इस स्तर पर कैरियर का सही मार्गदर्शन छात्रों का भविष्य गढ़ सकता है। इसलिए भारत

विकास परिषद द्वारा विद्यार्थियों के लिए निशुल्क मार्गदर्शन का आयोजन राजीव इनडोर ऑडिटोरियम (इंदिरा गांधी स्टेडियम) टीपी नगर कोरबा में आगामी 09 अप्रैल दिन- रविवार को प्रातः 10 बजे से 02 बजे तक किया जाएगा, जिसका एकमात्र उद्देश्य बच्चों एवं राष्ट्र के सशक्त, सुंदर भविष्य का निर्माण करना है। कार्यशाला में राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल, निगम के महापौर राजकिशोर प्रसाद, सभापति श्याम सुंदर सोनी, ओडिशा के संबलपुर से ख्यातिलब्ध गाइनकॉलजिस्ट डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल हो रहे हैं। इन्हीं के द्वारा सम्बलपुर में पहली लेप्रोस्कोपिक सर्जरी शुरू की गई थी। वे अपने अनुभव का लाभ जिले के छात्र-छात्राओं को देंगे। इनके अलावा गिनीज ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाले डॉ. अजय शेष, सीए आशीष खेतान, शासकीय कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. संजय यादव, श्याम तिवारी, स्किल डेवलपमेंट विशेषज्ञ अरविन्द विश्वास प्रमुख रूप से छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन करेंगे। आयोजकों ने बताया कि इस संबंध में कलेक्टर संजीव कुमार झा से भी उनके द्वारा छात्र-छात्राओं को मार्गदर्शन देते हुए अपने अनुभव का लाभ प्रदान करने का निवेदन किया गया था, जिसे सहर्ष स्वीकार करते हुए कलेक्टर संजीव कुमार झा ने भी कार्यक्रम में आने के लिए अपनी सहमति दे दी है, जिससे छात्र-छात्राएं निश्चित तौर पर लाभान्वित होंगे। भारत विकास परिषद के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा छात्र-छात्राओं को एवं रूचि, प्रतिभा एवं क्षमता के अनुसार विषय चयन करने में मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसमें विभिन्न शिक्षक एवं अभिभावक भी शामिल होंगे। कार्यक्रम के संयोजकों ने जिले के सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यशाला में शामिल होने की अपील की है जिससे जिले में छात्रों छात्राओं को अपने प्रारंभिक जीवन को शुरुआत करने में एक नई और सुदृढ़ दिशा मिल सके जिससे अपने मन मुताबिक अपने विषयों का चयन कर आगे की शिक्षा प्राप्त करने में लाभ प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर सकें।

युवाओं के कौशल विकास के लिए मशीन ऑपरेटर सहायक प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
कोरबा,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

एनटीपीसी कोरबा द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व प्रयासों के अंतर्गत परियोजना प्रभावित एवं आसपास के ग्रामों के वंचित युवक / युवतियों के कौशल विकास एवं रोजगार उपलब्ध कराने हेतु सीपेट के माध्यम से 03 माह का मशीन ऑपरेटर सहायक-इंजेक्शन मोल्डिंग कौशल विकास का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान कराया गया। उक्त प्रशिक्षण में परियोजना प्रभावित एवं आसपास के ग्रामों के 40 युवक / युवतियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों का बैंगलुरु के प्लास्टिक कंपनी में प्लेसमेंट हो गया है। एनटीपीसी कोरबा द्वारा प्रशिक्षण के सम्पूर्ण खर्च के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों को रु.1000/- प्रतिमाह की दर से 03 माह की छात्रवृत्ति भी प्रदान की गयी।दिनांक 05.04.2023 को सिपेट कोरबा केंद्र में प्रशिक्षण पूर्ण होने पर सफल प्रशिक्षुओं को कोर्स पूरा करने के प्रमाण पत्र और

प्लेसमेंट ऑफर लेटर का वितरण समापन समारोह आयोजित किया गया ।इस अवसर पर एनटीपीसी कोरबा के परियोजना प्रमुख बी रामचंद्र राव की गरिमामयी उपस्थिति रही,जिन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र एवं प्लेसमेंट ऑफर लेटर दिये। कार्यक्रम के दौरान बी. आर. राव ने कहा एनटीपीसी कोरबा सिपेट के साथ मिलकर आस पास के क्षेत्रों के युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। 'मशीन ऑपरेटर सहायक-इंजेक्शन मोल्डिंग' कार्यक्रम का यह दूसरा बैच है। इससे पहले के बैच ने भी 100 प्रतिशत प्लेसमेंट पाया थ।। एनटीपीसी कोरबा के नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षणार्थियों के लिए लाभदार हैं। मैं आशा करता हूँ कि अधिक से अधिक युवा इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने जीवन में आगे बढ़ेंगे। सभी प्रशिक्षणार्थीयों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।उक्त कार्यक्रम में एनटीपीसी कोरबा के मानव संसाधन प्रमुख प्रभात राम, उप महाप्रबन्धक मानव संसाधन, बिजय कुमार स्वाइन, सीएसआर के प्रतिनिधि एवं सीपेट कोरबा के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालको ने कर्मचारियों के साथ मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

- संवाददाता -
कोरबा,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने कर्मचारियों के बीच स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के साथ विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया। कंपनी ने पोषणयुक्त भोजन से लेकर शारीरिक व्यायाम एवं विभिन्न स्वास्थ्य आदतों को अपनाने की बात करते हुए स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन शैली के महत्व के बारे में जागरूकता प्रदान की। कंपनी ने दैनिक जीवन में शारीरिक व्यायाम के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे संयंत्र में विभिन्न स्थानों पर जुम्बा सत्र आयोजित किए। इसमें 500 से अधिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया जिसमें सभी ने कार्डियो मूव्स के साथ मनोरंजक तरीके से नृत्यकला का आनंद लिया। बालको ने अपने कर्मचारियों को संतुलित और स्वस्थ आहार सुनिश्चित करने के लिए अत्यधिक पौष्टिक खाद्य पदार्थों के साथ संतुलित भोजन प्रदान किया। ये खाद्य पदार्थ नियमित भोजन के साथ सभी कैंटीनों में उपलब्ध थे। कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उनकी कैलोरी की संख्या के बारे में जानकारी दी गई। 3000 से अधिक कर्मचारियों ने खुशी-खुशी इन भोजन में

हिस्सा लिया और इस पहल की सराहना की।कंपनी ने अपने कर्मचारियों को तस्वीरें साझा करने और रील या वीडियो बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जो उनके स्वस्थ जीवन शैली को प्रदर्शित करता है। इस पहल का उद्देश्य अपने सहयोगियों को स्वस्थ आदतों को अपनाने और कार्यस्थल पर स्वास्थ्य कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना है। इन कार्यक्रमों में भाग लेकर, कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए एक-दूसरे को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने का अवसर मिला।इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है और एक स्वस्थ कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने प्रयासों के माध्यम से कार्यस्थल एवं समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना जारी रखेंगे तथा एक स्वस्थ और बेहतर समाज के लिए आगे बढ़ेंगे जो लाभकारी सिद्ध होगा।

द्वितीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 मई को

- संवाददाता -
कोरबा,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

नालसा नई दिल्ली एवं छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा 13 मई 2023 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त लोक अदालत में समस्त राजीनामा योग्य आपराधिक मामले, बैंक के प्रकरण, लिखत पराक्राम्य अधिनियम 138, वसूली के प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण एवं अन्य व्यवहारवाद के प्रकरण रखे जायेंगे। श्री डी.एल. कटकवार,जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों को रखे जाने हेतु समस्त न्यायालयों को निर्देशित किया गया हैं। इ स ी क्रम में विद्युत कंपनी के अधिकारियों की बैठक ली गई। विद्युत अधिनियम के प्रकरणों में शासन के द्वारा दिये जाने वाले लाभ की जानकारी दिये जाने हेतु संबंधित विभाग को पक्षकार को सूचना दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जो भी पक्षकार राजीनामा के माध्यम से अपने लंबित प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकरण कराना चाहते है वे पक्षकार अपने प्रकरण को संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर नेशनल लोक अदालत में रखे जाने हेतु निवेदन कर सकते है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा बताया गया है कि न्यायालय में प्रस्तुत होने वाले मामले जिनमें कोर्ट फीस चस्पा है उन प्रकरणों में लोक अदालत के माध्यम से निराकरण होता है उक्त प्रकरणों में कोर्ट फीस वापसी का प्रावधान है, साथ ही लोक अदालत में निराकरण होने वाले प्रकरणों में किसी भी न्यायालय में अपील स्वीकार्य नहीं होती। अधिक जानकारी के लिये जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा दूरभाष 07759-228939, तालुका विधिक सेवा समिति कटघोरा दूरभाष नंबर 07815-250833, तालुका विधिक सेवा समिति पाली दूरभाष नंबर 07816-232037,तालुका विधिक सेवा समिति करतला दूरभाष नंबर 07759-279833 कर सकते है।

राम नवमी एवं हनुमान जन्म उत्सव के पर्व पर नगर में निकाला भव्य शोभा यात्रा,हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

- संवाददाता -
लखनपुर,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

राम नवमी एवं हनुमान जन्म उत्सव के पर्व पर एताहसिक सोभा यात्रा लखनपुर नगर मैं निकाला गया। इस शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बता दे की पूरे शहर को राम सेना द्वारा भगवा से रंग दिया और गुरुवार को श्रद्धालुओं द्वारा डीजे,गाजे बाजे सहित सुगा कलाकारों के साथ एताहसिक शोभा यात्रा राम मंदिर से दोपहर 3 बजे से नगर के चौक चराहों से होकर माता कर्मा चौक के समीप हनुमान मंदिर पहुंचा । श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। तत्पश्चात यह शोभायात्रा शिव मंदिर एवं हनुमान मंदिर में जाके रात्रि 8:30 बजे पहुंची जहां भव्य भंडारे का आयोजन किया गया और श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक आरती किया गया । शोभा यात्रा में 4000 से अधिक श्रद्धालु ने भाग लिया। भगवान राम एवं भक्त हनुमान के प्रति नगर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र के लोगो की आस्था दिन पे दिन बढ़ती जा रही हैं। जगह जगह पे श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया एवं नाश्ता का व्यवस्था भी किया गया । इस सफल अयोजन में कमिटी के द्वारा सभी राम भक्तो का आभार प्रकट किया खास कर माताओं और बहनों का और अगले साल और भव्य एवम विशाल यात्रा करने की बात कही गई । शोभा यात्रा के दौरान लखनपुर पुलिस द्वारा सहयोग करते हुए नो एंट्री लगाकर भारी वाहनों रोक लगाया गया जिससे सुविधा रही। यात्रा मैं राजेश अग्रवाल दिनेश साहू प्रदीप गुप्ता आर बी पांडे यतेंद्र पांडे सुरेंद्र साहू सुनील अग्रवाल सुजीत मंगल जितेंद्र गुप्ता नवनीत गुप्ता नीतीश सौरभ अग्रवाल सचिन अग्रवाल एवम अन्य नगर एवम ग्रहमीण छेत्र के लोग उपस्थित रहे ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
सिगनलिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: 130-एसटी-टेंडर-2022, दिनांक: 03.04.2023. **कार्य:** "सीमित चौड़ाई वाले आरओबी के प्रावधान द्वारा चंदिया यार्ड में समपार संख्या बीके–94 का उन्मूलन, (2) आरयूबी द्वारा कटोरा–सूरजपुर रोड के बीच Km. 993/3-4 पर समपार संख्या AB-58 और बोरीडांड – अंबिकापुर खंड पर RUB द्वारा बोरीडांड – उदलकछार के बीच Km.936/12-13 पर AB-26 का उन्मूलन, (3) करन्जी–बिश्रामपुर के बीच अनूपपुर–अंबिकापुर खंड पर 1016/4-5 कि.मी. पर समपार संख्या AB-69 को आरओबी का प्रावधान द्वारा हटाना, (4) आरओबी के प्रावधान द्वारा बोरीडांड – अंबिकापुर खंड के बीच 1023/4-5 किमी पर लेवल क्रॉसिंग नंबर एबी–71 का उन्मूलन, (5) एनआईए–एकेटी के बीच किमी. 683/27-29 पर समपार संख्या 348 और किमी. 688/25-27 पर समपार संख्या 351 के स्थान पर आरयूबी/ एलएचएस का निर्माण, (6) बिलासपुर के तारबहार एलसी नंबर 366बी में निर्माणाधीन स्वीकृत एनएचएस के विस्तार पर बीसीएन डिपो तक बाईपास लाइन और अप लीड लाइन के तहत एनएचएस का निर्माण, (7) अनूपपुर यार्ड पर अनूपपुर–कटनी खंड के बीच लागत साझेदारी द्वारा 868/17-19 पर समपार संख्या बीके 61 पर आरओबी का निर्माण, (8) लाइट आरओबी के प्रावधान द्वारा बुढ़ार–छडा (Chhada) खंड में लेवल क्रॉसिंग नंबर बीके–69 को खत्म करना और बिलासपुर मंडल पर एसएंडटी स्थापना के लिए पुराने और खराब हो चुके टेलीकॉम चार्जर और सेकेंडरी सेल को बदलना"। **निविदा मूल्य:** ₹ 6,38,54,369.66 (₹ छह करोड़ अड़तीस लाख चौवन हजार तीन सौ उनहत्तर एवं छियासठ मात्र)। **अमानत राशि:** ₹ 4,69,300/- (₹ चार लाख उनहत्तर हजार तीन सौ मात्र)।

निविदा का जमा होना: 24.04.2023 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजी./ सीपीआर/10/03 लाईन/बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

R.O. No.BSP/3787

खड़गवां थाने में पंप चोर पुलिस के गिरफ्त में

- संवाददाता -
खड़गवां,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

प्रार्थी मोहन s/o पिता लक्ष्मी प्रसाद उम्र 28 वर्ष सा0 माझापारा कन्हारबहरा थाना खड़गवा का दिनांक 30.03.2023 को थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि ग्राम पंचायत भवन कन्हार बहरा में पंचायत की ओर से पंचायत के सामने बोर में बीजली का 01 एच.पी. का समर सीबल पम्प लगा था दिनांक 27.03.2023 के रात करीब 11.00 बजे तक लगा था दिनांक 28.03.2023 के सुबह करीब 7:00 बजे देखे तो बोर में लगा पम्प नहीं था कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है पम्प की किमत करीब 15000 रूपये है रिपोर्ट पर थाना खडगवां में अपराध क. 122 / 23 धारा 379 ताहि का अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान विवेचना दौरान पुलिस अधीक्षक कोरिया टी.आर. कोशिमा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमेश बर्रया तथा नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी प्रीत पाल सिंह द्वारा प्राप्त दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन के आधार पर थाना प्रभारी विजय सिंह द्वारा निर्देशानुसार स.उ.नि. रामबाबू दोहरे के द्वारा त्वरित विवेचना कार्यवाही करते हुये सदेही दलसाय निवासी कन्हारबहरा व आधार सिंह निवासी ग्राम पिपरिया सीपतपारा को तलब कर थाना लाया गया।

जिनसे घटना के संबंध में पूछताछ की गई पूछताछ के दौरान पंचायत भवन में लगा समर सीबल पम्प को चोरी करना एवं रानी अटारी से 01 नग समर सीबल पम्प की मोटर व 01 नग हाफ एचपी का दुल्लु पम्प कीमती करीब 5000 रूपये को चोरी कर अपने घर में छिपाकर रखना बताये आरोपीयों के मेमोरेण्डम के आधार पर दलसाय के घर व खेत में छिपाकर रखे समर सीबल पम्प एवं

समर सीबल पम्प के मोटर व टुल्लु पम्प को आरोपी दलसाय के घर व खेत से बरामद कर मुताबिक जप्ती पत्रक के गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया इसी प्रकार मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त होने पर ग्राम रतनपुर चौक में संदेही राजू उर्फ राज कुमार पिता रामसाय गोड़ उम्र 25 वर्ष सा0 सीपत कोरबी रोड, समयलाल पिता सुखनाथ गोंड उम्र 33 वर्ष सा0 पाली दर्रीपारा थाना पसान जिला कोरबा छ.ग. प्यारेलाल पिता जयमंगल सिंह जाति गोंड उम्र 28 वर्ष सा0 कोडगार थाना पसान जिला कोरबा (छ.ग.) को घेराबंदी कर पकड़ा गया जिनके कब्जे से एक नग टुल्लू पम्प व एक नग समर सीबल पम्प कीमती लगभग 20000 रूपये कुल जुमला मशरूका 40000 रूपये का जप्त कर आरोपी दलसाय, एवं आधार सिंह को मूल अपराध कमाक 122 / 23 में गिर0 कर उक्त आरोपियों के विरूद्ध अलग से धारा 41 (1-4) जा. फौ. / 379 भादवि की कार्यवाही कर एवं आरोपी राजू उर्फ राज कुमार, समय लाल और प्यारे लाल के विरूद्ध धारा 41(1-4) जा. फौ / 379 भादवि की कार्यवाही कर आरोपियो को न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय भेजा गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी खडगवा उप निरीक्षक विजय सिंह, सउनि रामबाबू दोहरे, आर. 133 सुरेश तिग्गा, आर 91 हरिश शर्मा, सैनिक प्रमोद साहू का सराहनीय योगदान रहा।

कुसमुंडा खदान में ठेका कर्मी कन्वेयर बेल्ट में दबकर गंभीर रूप से हुआ घायल

- संवाददाता -
कोरबा,07 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

सुरक्षा के खोखले दावे करने वाली एसईसीएल कुसमुंडा खदान में फिर एक बड़ा हादसा हो गया। एक ठेका कर्मी कन्वेयर बेल्ट में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया । शुरुआती तौर पर मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह पहली पाली में ड्यूटी करने सामंता कंपनी पहुंचे ठेका कर्मी कन्वेयर बेल्ट की सफाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान एक ठेका कर्मी बुरी तरह से कन्वेयर बेल्ट में दब गया। साथी ठेका कर्मियों ने घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी । बताया जा रहा है कि कन्वेयर बेल्ट को कटर मशीन से काटकर ठेका कर्मी को बाहर निकाला गया है। गंभीर स्थिति को देखते हुए कोरबा अस्पताल भेजा गया है। ठेका कर्मी के बारे में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। सूत्रों की माने तो जिस वक्त ठेका कर्मी कन्वेयर बेल्ट में कोयले की सफाई कर रहा था उस वक्त कन्वेयर बेल्ट चालू था जबकि नियमतः बेल्ट को सफाई करने से पूर्व उसे बंद कर उसकी सफाई की जाती है जिससे कन्वेयर बेल्ट के आसपास गिरे कोयले को साफ करते वक्त कोई दुर्घटना उत्पन्न ना हो पर जिस वक्त यह हादसा हुआ उस समय इसका ध्यान नहीं रखा गया और मशीन के चालू अवस्था में कर्मी से काम लिया जा रहा था जिससे दुर्घटना हुआ।

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

सुविधाएँ : • पर्सनल लोन • बिजनेस लोन • प्रॉपर्टी लोन • होम लोन • जीवन बीमा • स्वास्थ्य बीमा • गाड़ी फाइनेंस • बैंकिंग ग्राहक सेवा केन्द्र

निःशुल्क फ्रेंचाइजी लेकर काम करने इच्छुक व्यक्ति भी संपर्क कर सकते हैं.

प्रमुख बैंकों व कई फाइनेंस कंपनियों द्वारा अधिकृत

आधार फाइनेंशियल कंसलटेन्सी

गुदरी गली, सेन्ट्रल बैंक के सामने अम्बिकापुर

मो.: 9993567065, 6232267065, 9754461011

Adv.I.B.19.3.23

गुवाहाटी में दिल्ली-राजस्थान के बीच होगी कांटे की टक्कर

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतर बल्लेबाजी करना चाहेगा दिल्ली कैपिटल्स

गुवाहाटी,07अप्रैल 2023। बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैचों में हार का सामना करने वाले दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अगर जीत का खाता खोलना है तो उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले मैच में बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी। पहले दो मैचों में मार्क वुड और अलजारी जोसेफ जैसे गेंदबाजों ने पृथ्वी साव और सरफराज खान जैसे दिल्ली के बल्लेबाजों को दहशत में डाल दिया था। इन प्रतिभाशाली बल्लेबाजों का आत्मविश्वास अभी डिगा हुआ है और ऐसे में उनके लिए ट्रेंट बोल्ट, केएम आसिफ और जेसन होल्डर जैसे गेंदबाजों का सामना करना आसान नहीं होगा। इसके अलावा राजस्थान के पास रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर है जो बारसपारा स्टेडियम की बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भी विरोधी टीम को परेशानी में डाल सकते हैं। आक्रामक सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का इस मैच में खेलना संदिग्ध है जो दिल्ली के लिए अच्छी खबर हो सकती है। बटलर पिछले मैच में कैच लेते समय चोटिल हो गए थे और उनके बाएं हाथ की छोटी उंगली में टांके लगे हैं। यदि बटलर नहीं खेल पाते हैं तो जो रूट हो उनके स्थान पर अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत की अनुपस्थिति के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी कागजों पर मजबूत नजर आती है लेकिन साव और सरफराज जैसे बल्लेबाजों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों का सामना करने में परेशानी हो रही है।बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण दिल्ली को पहले दोनों मैच गंवाने पड़े। टीम का सबसे कमजोर पक्ष उसके पास अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों का अभाव है। यदि कोचिंग स्टाफ सरफराज की जगह किसी नए बल्लेबाज को रखना भी चाहेगा तो दिल्ली के पास यश धुल, रिपल पटेल और ललित यादव के रूप में ही विकल्प मौजूद है। इनमें से कोई भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जिसने 150 की स्ट्राइक रेट से लगातार रन बनाये हो। जहां तक राजस्थान रॉयल्स की बात है तो सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन अच्छे फॉर्म में चल रहे हैं और वह एनरिक नोर्किया, खलील अहमद और कुलदीप यादव जैसे गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने अपना पिछला मैच गंवाया था लेकिन इसके बावजूद वहां इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

टीम इस प्रकार है- दिल्ली कैपिटल्स- डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, मिचेल मार्श, सरफराज खान, अमन हाकिम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिली रोसौ, एनरिक नोर्किया, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल साल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी, यश धुल। राजस्थान रॉयल्स- संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, युजवेंद्र चहल, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, ध्रुव जुरेल, कुणाल सिंह राठौर, नवदीप सैनी, कुलदीप सेन, कुलदीप यादव, जो रूट, डोनोवन फरेरा, केसी करियप्पा, अब्दुल बसिथ, ओबेद मैककॉय, आकाश वशिष्ठ, संदीप शर्मा, एडम ज़म्पा, मुरुगन अश्विन। मैच दोपहर 3-30 बजे से शुरू होगा।

बांग्लादेश ने एकमात्र टेस्ट मैच सात विकेट से जीता

मीरपुर,07अप्रैल 2023। अनुभवी मुश्फिकर रहीम की शानदार बल्लेबाजी से बांग्लादेश ने शुक्रवार को यहां आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में चौथे दिन लंच के कुछ देर बाद ही सात विकेट से जीत हासिल की। आयरलैंड ने पहली पारी में 214 रन बनाए जिसके जवाब में बांग्लादेश ने 369 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल की। आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 292 रन बनाए और इस तरह से बांग्लादेश के सामने 138 रन का लक्ष्य रखा। बांग्लादेश ने तीन विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल किया। पहली पारी में 126 रन बनाने वाले रहीम ने दूसरी पारी में नाबाद 51 रन बनाए।

अलावा मोमिनुल हक ने नाबाद 20 रन बनाए। लिटन दास ने 23 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। तमीम इकबाल ने 31 रन का योगदान दिया। इससे पहले आयरलैंड ने अपनी दूसरी पारी छह विकेट पर 286 रन से आगे बढ़ाई और बांग्लादेश ने 36 मिनट के अंदर उसके बाकी बचे चार विकेट हासिल कर दिए। तेज गेंदबाज इबादत हुसैन ने एंडी मैकब्राइन को बोल्ड किया जो अपने कल के स्कोर में केवल एक रन जोड़ पाए।

मैकब्राइन ने 72 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उनके आउट होने के बाद आयरलैंड की पारी सिमटने में देर नहीं लगी। आयरलैंड की दूसरी पारी का आकर्षण लोरकान टकर का शतक रहा। उन्होंने 162 गेंदों का सामना करके 108 रन बनाए। वह केविन ओ ब्रायन के बाद अपने पदार्पण टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले आयरलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने।

पंजाब किंग्स से कब जुड़ेंगे लियाम लिविंगस्टोन

लंदन ,07अप्रैल 2023। इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन को उम्मीद है कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से इस सप्ताहांत तक फिटनेस मंजूरी मिल जाएगी।दरअसल अगले हफ्ते पंजाब किंग्स के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन टीम के साथ जुड़ने वाले हैं।

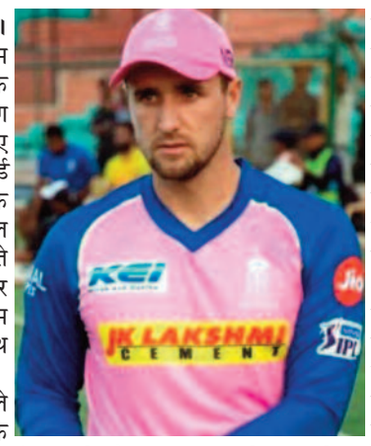

लिविंगस्टोन चार महीने पहले पाकिस्तान में टेस्ट पदार्पण के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके घुटने में चोट लगी है जिसके कारण वह उसके बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए। इस बीच उनकी पिछले साल के टखने की चोट भी उभर आई थी। यह सुनिश्चित है कि वह पंजाब किंग्स के नौ अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे। पंजाब किंग्स को अपना अगला मैच 13 अप्रैल को खेलना है।

लिविंगस्टोन ने लैंसटीवी से कहा, मैं अब उस मुकाम पर पहुंच रहा हूं। पिछले दो महीने बेहद मुश्किल रहे लेकिन आखिरकार अब मैं छोटे बच्चे की तरह क्रिकेट खेलने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, उम्मीद है कि अगले दो दिन के अंदर मुझे वहां जाने के लिए मंजूरी मिल जाएगी। मैं खेलने के लिए बेताब हूं और उम्मीद है कि अगले 48 घंटों में आखिरकार मुझे इसकी मंजूरी मिल जाएगी।

पोंटिंग ने भारतीय खिलाड़ी का नाम लिया,जो आपको विश्व कप जिता सकता

मेलबर्न,,07अप्रैल 2023। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कप्तान रिकी पोंटिंग ने अपनी राय साझा की है कि वह भारत के संघर्षरत सफेद गेंद के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और उनकी बल्लेबाजी लाइन-अप के साथ क्या करेंगे, अगर वह बाद में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए अपनी टीम का चयन करने के प्रभारी थे। इस साल। भारत के शीर्ष क्रम में कप्तान रोहित शर्मा, उभरते हुए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे उनके शीर्ष छह में कम से कम दो स्थान खुले रहेंगे।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया एकदिवसीय श्रृंखला में हार ने भारत के मध्य क्रम के संकट को उजागर किया, जिसमें सूर्यकुमार की खराब फॉर्म विशेष रूप से ध्यान देने योग्य थी क्योंकि उन्होंने लगातार तीन गोल्डन डक दर्ज किए। अपने हालिया संघर्षों के बावजूद, पोंटिंग का मानना है कि भारत को मुंबई के बल्लेबाज के साथ बने रहना चाहिए(

थिएम ने एस्टोरिल में सीजन के पहले क्यूएफ में प्रवेश किया

मेलबर्न, 07अप्रैल 2023। डोमिनिक थिएम ने मिलेनियम एस्टोरिल ओपन में सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने बेन शेल्टन को 6-2, 6-2 से हराकर साल के अपने पहले क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

ऑस्ट्रियाई ने पहले दौर में हमवतन सेबस्टियन ऑफनर के खिलाफ आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की और शेल्टन के खिलाफ एक प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ उसका समर्थन किया। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में एंटवर्प में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार उन्होंने लगातार टूर-लेवल जीत हासिल करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी पर हावी होने के लिए गेंद को दोनों पंखों से कुचल दिया।

पूर्व विश्व नंबर 3 का लक्ष्य अंतिम आठ में चौथे वरीय रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट या क्रेंटिन हेलिस से भिड़ने पर अपना अभियान जारी रखने का होगा। एटीपी लाइव रैंकिंग में थिएम आठ पायदान ऊपर 103वें स्थान पर है और एस्टोरिल में सेमीफाइनल में पहुंचने पर फिर से शीर्ष 100 में पहुंच जाएगा।

थिएम के पास गुरुवार की जीत के बाद वर्ष के लिए 3-8 रिकॉर्ड है, जो उन्हें उम्मीद है कि बेहतर परिणामों के लिए उत्प्रेरक है। ऑस्ट्रियाई, जो

2018 और 2019 में रोलैंड गैरोस फाइनल में पहुंचे, ने ऐतिहासिक रूप से मिट्टी पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने सरफेस पर अपने 17 टूर-लेवल क्राउन में से 10 जीते हैं।

शेल्टन इस सप्ताह क्ले पर अपने दौरे के स्तर की शुरुआत कर रहे थे। 20 वर्षीय, वर्तमान में पेपरस्टोन एटीपी लाइव रैंकिंग में 39 वें नंबर पर, सीजन के लिए एक असाधारण शुरुआत का आनंद लिया है, जो ऑस्ट्रेलियन ओपन में क्वार्टर फाइनल में उनके प्रदर्शन से उजागर हुआ है।

बाद में स्पेन के बर्नबे ज़पाटा मिरालेस ने दूसरी वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्कज़ के खिलाफ 6-7(7), 6-4, 6-2 से वापसी की। वर्ल्ड नंबर 12 को हराकर रैंकिंग के आधार पर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की और रोलांड गैरोस में पिछले साल टेलर फ्रिट्ज को हराकर अपनी दूसरी शीर्ष 20 जीत हासिल की।

हर्कज़ अपने 27वें टूर-लेवल क्वार्टर फ़ाइनल और मिट्टी पर अपने तीसरे स्थान से चूक गए; वह पिछले सीजन में मोंटे कार्लो और मैड्रिड दोनों में अंतिम आठ में पहुंचा था। ज़पाटा मिरालेस क्वार्टर में मिओमिर केकमानोविक से भिड़ेंगे, जब सर्बियाई ऑस्ट्रियाई जुरिज रोडियोनोव को 6-0, 6-1 से हराकर एस्टोरिल में अपना पहला डेब्यू सप्ताह जारी रखेंगे।

फिल्म टाइगर वर्सेज पठान में सलमान खान और शाहरुख खान की एंट्री

शाहरुख खान और सलमान खान के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल, दोनों के अभिनय से सजी फिल्म टाइगर वर्सेज पठान का ऐलान हो गया है और निर्देशन की जिम्मेदारी सिद्धार्थ आनंद को सौंपी गई है, जिन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान का निर्देशन किया। शाहरुख की पठान में सलमान की मेहमान भूमिका ने लोगों को सीटियां बजाने पर मजबूर कर दिया था। अब पूरी फिल्म में दोनों साथ नजर आएंगे, जो प्रशंसकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया, टाइगर वर्सेज पठान का निर्देशन करेंगे सिद्धार्थ आनंद। जनवरी, 2024 से फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। इसका निर्माण यशराज बैनर तले किया जाएगा। तरण के इस पोस्ट से सलमान-शाहरुख के प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। एक फैन ने लिखा, अब तो 3,000 करोड़ रुपये की कमाई पक्की है। एक ने लिखा, बस ले आइए। एक अन्य प्रशंसक ने लिखा, अब पर्दे पर लगेगी आग।

पठान में सलमान-शाहरुख की दोस्ती देखने को मिली थी, लेकिन टाइगर वर्सेज पठान में उनके बीच दुश्मनी देखने को मिलेगी। अब इन दोनों जिगरी यारों में तकरार होने वाली है और उन्हें

आपस में भिड़ते देखना बेहद दिलचस्प होगा। यशराज ने अपना स्पाई यूनिवर्स शुरू किया है, जिसकी पहली फिल्म एक था टाइगर, दूसरी टाइगर जिंदा है, तीसरी वॉर तो चौथी पठान थी। इस यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म टाइगर 3, छठी वॉर 2 तो सातवीं फिल्म टाइगर वर्सेज पठान होगी। यशराज प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही सलमान की मुख्य भूमिका वाली फिल्म टाइगर 3 में शाहरुख का कैमियो होने वाला है। हालांकि, दोनों एक-दूसरे की फिल्मों में पहले भी मेहमान भूमिका निभा चुके हैं। शाहरुख की फिल्म कुछ कुछ होता है में सलमान ने कैमियो किया था तो सलमान की हर दिल जो प्यार करेगा में शाहरुख ने कैमियो किया था। शाहरुख की फिल्म ओम शांति ओम में सलमान तो सलमान की ट्यूबलाइट में शाहरुख ने कैमियो किया था।

सलमान और शाहरुख ने पहली बार 1995 में राकेश रोशन के निर्देशन में बनी फिल्म करण अर्जुन में काम किया था। फिल्म में दोनों भाई बने थे। सलमान ने करण तो शाहरुख ने इसमें अर्जुन की भूमिका निभाई थी। 6 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 43 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद दोनों को फिल्म हम तुम्हारे हैं सनम में साथ देखा गया था और यह भी हिट रही थी।

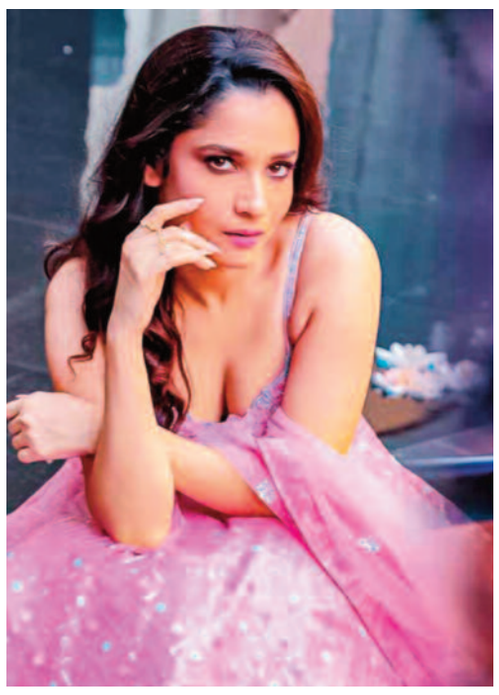

पिंक आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे दिखीं गजब की बला, फोटो ने बढ़ाई इंटरनेट पर गर्मी

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से लोगों के दिलों में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपनी खूबसूरती और अदाकारी से फैंस को घायल किए रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी धमाल मचाती हैं। वहीं, उनकी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस को बेताब किए हुए हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों सोशल मीडिया पर अपने लुक्स को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। पिंक कलर के स्टाइलिश आउटफिट में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। उनकी तस्वीरें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रही हैं। हेयर स्टाइल के साथ ही मिनिमल मेकअप में एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे की तस्वीरें देख कर हर कोई उनकी अदा पर फिदा हो रहा है। ग्लॉसी मेकअप के साथ ही ईयरिंग्स पहने हुए एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे गजब की बला लग रही हैं। अंकिता लोखंडे की आंखों में लगा गहरा काजल देख फैंस उनकी आंखों में डूबने को मजबूर हैं। अंकिता की खूबसूरती देखकर कोई भी उनका कायल हो जाए। वहीं, उनके स्टाइल को चार चांद लगा रहा है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार कमेंट्स कर रहे हैं। जो उनकी फोटोज पर हॉर्ट और फायर इमोजी पोस्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को फैंस के साथ साझा करना बिल्कुल नहीं भूलती हैं। अंकिता लोखंडे के इंस्टाग्राम पर 4 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं।

तेलुगू फिल्म छत्रपति के हिंदी रीमेक का टीजर जारी

राजामौली की 2005 की तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'छत्रपति' की आधिकारिक हिंदी रीमेक, जो तेलुगू अदाकार श्रीनिवास बेलमकोंडा की पहली बॉलीवुड शुरूआत भी है, 12 मई को अखिल भारतीय रिलीज के लिए तैयार है. 'छत्रपति' का एक्शन से भरपूर टीजर, जिसे जारी किया गया था, बेलमकोंडा द्वारा प्रमुख चरित्र का परिचय दिया गया.बेलमकोंडा ने कहा, मैं 'छत्रपति' जैसी विशेष फिल्म के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने को लेकर खुश हूं, जो एक रोमांचक और सुन्दर सामूहिक एक्शन फिल्म है. इस फिल्म पर काम करने का हर पल उतना ही रोमांचक था जितना कि यह चुनौतीपूर्ण था और आखिरकार हम खुश हैं इसे हिंदुस्तान भर के दर्शकों के सामने पेश करें.

यह फिल्म एसएस राजामौली की तेलुगू ब्लॉकबस्टर 'छत्रपति' की आधिकारिक हिंदी रीमेक है और इसे उनके पिता और अनुभवी लेखक वी। विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है, जिन्हें 'आरआरआर', 'बाहुबली' सीरीज और 'आरआरआर' जैसी फिल्मों में उनके गौरतलब काम के लिए जाना जाता है.

सीएम भूपेश बघेल ने की ग्राम गंजमंडी में 12 बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान के तहत की ये बड़ी घोषणाएं

» बोरसी और पटरीपार में खुलेगा आत्मानंद स्कूल

» जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक बनेगी फोरलेन सड़क

रायपुर,07 अप्रैल 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा दुर्ग शहरी विधानसभा के ग्राम गंजमंडी में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है. जयश्री ने बताया कि भाई बारहवीं में पढ़ता है। उन्हें इंजीनियर बनाना है। जयश्री खुद भी ग्रेजुएट हैं और अभी एमए की पढ़ाई कर रही है। उनके माता-पिता दोनों नहीं है। लखन लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री से मदद मांगते हुए बताया कि हैदराबाद में उनका ऑपरेशन होना है, इसमें 8 लाख का खर्च होगा। मुख्यमंत्री ने ÷मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना÷ के तहत (20 लाख रुपए तक) लखन का इलाज करवाने की घोषणा की है। गीता राजपूत के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा मुक्ति के लिए सामाजिक जागरूकता जरूरी है। इसके लिए अभियान चलाया जाना चाहिए साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री ने लोगों से नशा छोड़ने की अपील की और कहा कि सामाजिक जागरण के बाद ही शराबबंदी करना उचित होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का नशा नुकसानदायक है। धन की बर्बादी के साथ नशा करने वालों की प्रतिष्ठा भी खराब होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फ्री होलडिंग, आवास नियमितीकरण, बिजली बिल माफ, श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर, दाई दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना जैसी योजनाएं शहरों में चल रही हैं।

शराबबंदी पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात के दौरान दिया बड़ा बयान

छत्तीसगढ़ में शराबबंदी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. प्रदेश में शराबबंदी पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बड़ा बयान दिया है. सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि मैं कोई ऐसी घोषणा नहीं करूंगा, जिससे लोगों की जान जाए. दरअसल, दुर्ग में भेंट मुलाकात में सीएम भूपेश ने जनता से संवाद के दौरान शराबबंदी की मांग पर कहा कि मैं कोई ऐसी घोषणा नहीं करूंगा, जिससे लोगों की जान जाए. जब लॉकडाउन में शराब बंदी नहीं हो सकी तो अब कैसे होगी.

सीएम भूपेष बघेल ने कहा कि लॉकडाउन में लोग नशीली दवाई और स्प्रिट पीकर मर रहे थे. इसलिए पहले जन जागरूकता अभियान चलाया जाए. लोग नशा छोड़ने का संकल्प करें, तभी शराबबंदी होगी. सीएम ने गुजरात और बिहार का उदाहरण दिया. उन्होंने कहा कि यहां आज भी शराब बिक रही है. जयश्री ने बताया कि भाई बारहवीं में पढ़ता है। उन्हें इंजीनियर बनाना है। जयश्री खुद भी ग्रेजुएट हैं और अभी एमए की पढ़ाई कर रही है। उनके माता-पिता दोनों नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जयश्री के रोजगार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उसके भाई की इंजीनियरिंग की पढ़ाई के खर्च के लिए इस्टीमेट तैयार कर देने कहा, उन्होंने जयश्री को उसके भाई की पढ़ाई का खर्चा उठाने का आश्वासन दिया।

मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा की गई महत्वपूर्ण घोषणाएं

1. विधानसभा के विभिन्न वार्डों में बेडमिन्टन कोर्ट व खेल मैदानों का उन्नयन कराया जायेगा।
2. मुक्तिधाम का उन्नयन व निर्माण कराया जायेगा ।
3. इंदिरा मार्केट का संधारण कार्य कराया जायेगा।
4. बाह्य विकास क्षेत्र में सड़क, नाली व विद्युत सुविधा का विस्तार कराया जायेगा।
5. मटन / मछली मार्केट का पुनर्निर्माण कराया जायेगा ।
6. लाल बहादुर शास्त्री शाला भवन का निर्माण कराया जायेगा।
7. शहर के बाह्य क्षेत्र में पाईप लाइन का विस्तार कराया जायेगा।
8. शहरी क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों का संधारण कराया जायेगा।
9. नगर निगम दुर्ग के कार्यालय भवन का निर्माण कराया जायेगा।
10. जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराया जायेगा।
11. बोरसी, पटरीपार में आत्मानंद स्कूल खोलने की घोषणा।
12. बघेरा में ब्रह्मकुमारी आश्रम के सामने सड़क निर्माण करवाया जायेगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोनकर परिवार के घर स्वादिष्ट और छत्तीसगढ़िया भोजन का स्वाद चखा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात अभियान के तहत आज दुर्ग जिले के दुर्ग शहर विधानसभा के वार्ड क्रमांक. 39 पहुंचे। मुख्यमंत्री यहां सोनकर भवन के पास स्थित पुनुराम सोनकर एवं उनके परिवार के आतिथ्य में भोजन के लिए उनके घर पहुंचे, जहां सोनकर परिवार ने घर के मुख्य द्वार पर मुख्यमंत्री का तिलक-आरती एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। यहां भोजन में मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ी व्यजन परोसे गए, मुख्यमंत्री ने यहां अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों का स्वाद चखा, मुख्यमंत्री को भोजन में चावल, दाल, रोटी के साथ मुनगा, बैगन बड़ी और सेमी, लाल भाजी,

परवल आलू, जिमिकांदा की सब्जी एवं बिजौरी, लाई बड़ी, पापड़, सलाद और टमाटर की चटनी, खीर-पूड़ी और गुजिया परोसा गया। पुनूराम सोनकर ने मुख्यमंत्री को बताया कि इंदिरा मार्केट में उनकी सब्जी की दुकान है, सब्जी दुकान की आमदनी से ही परिवार का गुजारा होता है। उनके पास गरीबी रेखा का राशन कार्ड तथा उनके परिवार के सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड भी बना हुआ है। उनके परिवार में 5 सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि उनके दोनों बड़े बेटे ड्राइवर के रूप में काम करते हैं तथा उनका छोटा लड़का सब्जी दुकान में सहयोग करते हैं।मुख्यमंत्री ने स्वादिष्ट छत्तीसगढ़िया भोजन के लिए सोनकर परिवार को धन्यवाद दिया और उपहार भेंट किया, वहीं मुख्यमंत्री को अपने आतिथ्य में परिवार के बीच बैठकर भोजन करता पाकर परिवारजन खुशी से गदगद थे।

दिव्यांगजनों को प्रदान किए आवश्यक सहायक उपकरण और प्रोत्साहन राशि का चेक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज दुर्ग शहर विधानसभा के ग्राम गंजमंडी में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम स्थल में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को आवश्यकता सहायक उपकरण एवं प्रोत्साहन राशि द्वारा प्रदान की, जिसमें रायपुर नाका दुर्ग के निवासी विष्णुराम यादव व ग्राम बोरीगारका पाउवारा के राम जी साहू को बैटरी चलित ट्राई साइकिल दी गई। दिव्यांश विवाह प्रोत्साहन राशि के रूप में रतिदास सिरमौर को 50 हजार रुपे प्रदान किया गया। इस दौरान हितग्राही विष्णु राम यादव ने बताया कि वो ई-रिक्शा चला कर अपना जीवन यापन करते हैं जिससे उन्हें 12 से 15 हजार की मासिक आमदनी हो जाती है। ट्राई साइकिल मिलने से उन्हें अपने दैनिक दिनचर्या के के क्रियान्वयन में और सुविधा प्राप्त होगी।

रामजी साहू ने ट्राई साइकिल मिलने पर खुशी जाहिर की और बताया

कि वह चना मुर्रा बेचने का व्यवसाय करते हैं। ट्राई साइकिल मिलने से उन्होंने आशा जताई है कि उनका कारोबार और बढ़ेगा। दिव्यांग रतिदास सिरमौर ने बताया कि वो वर्ग-3 में सहायक शिक्षक के रूप में इंदिरा नगर के साथ की प्राथमिक शाला चिखली में पदस्थ हैं। भोपाल में उन्होंने हाई स्कूल से हाई सेकेंडरी की शिक्षा प्राप्त की। मिडिल स्कूल तक उन्होंने ब्रेल लिपि से पढ़ाई की है और उसके बाद हायर सेकेंडरी तक टेप रिकॉर्डर के माध्यम से अपना अध्ययन पूर्ण किया है।

सीएम बघेल ने स्वामी आत्मानंद स्कूल के नये भवन का किया लोकार्पण

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दुर्ग में भेंट मुलाकात की। सीएम बघेल ने दुर्ग के दीपक नगर स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के नए भवन का लोकार्पण किया।

आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के मद्देनजर रखते हुए नये स्कूल भवन में स्मार्ट क्लास रुम, एक्टिविटी रुम, लाइब्रेरी और सुसज्जित लैब बनाए गए हैं। लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्कूल के बच्चों से बातचीत की और एक्टिविटी रुम, लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लास रुम का अवलोकन किया।

यहां स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के लिए एक करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से बनाया गया है नया स्मार्ट क्लास रुम, एक्टिविटी रुम, लाइब्रेरी तथा भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान से सुसज्जित लैब। और स्कूल के पुराने भवन को भी किया गया है रिनोवेट।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मिल रहीं 20 लाख रूपए तक की सहायता

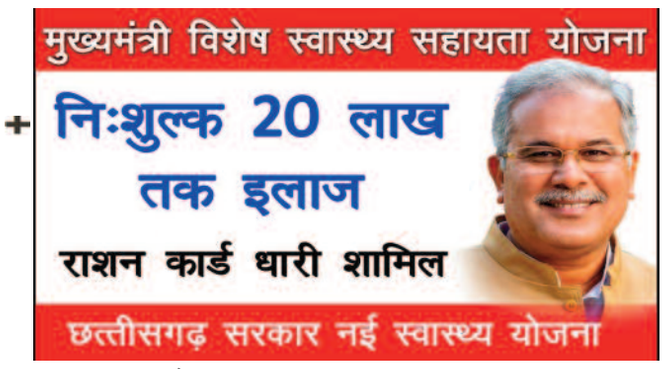

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना

रायपुर ,07 अप्रैल 2023(ए)। गंभीर बीमारियों के ईलाज के लिए मिल रही 20 लाख रूपए तक की सहायता छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गंभीर बीमारियों के ईलाज के लिए देश की बड़ी स्वास्थ्य योजनाओं में से एक योजना संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से अब तक 2643 मरीजों को सहायता दी गई है। इस योजना में मरीजों को ईलाज के लिए 20 लाख रूपए तक की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना में गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया मेजर, हीमोफिलिया, फेफड़े, कीडनी और लीवर ट्रांसप्लांट, कॉक्लीयर इम्प्लांट, हृदय, मस्तिष्क और मेरूदंड संबंधित जटिल ऑपरेशन के लिए राज्य के भीतर और राज्य के बाहर ईलाज के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। यह योजना 01 जनवरी 2020 से संचालित की जा रही है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए टोल फ्री नंबर 104 पर कॉल किया जा सकता है अथवा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से भी संपर्क किया जा सकता है।

कोंडागांव जिला के केशकाल में रहने वाले इमरान आडवाणी के घर जब नन्हे दिशान ने जन्म लिया तो खुशी का माहौल था। परंतु जब दिशान चार माह का हुआ अचानक उसकी तबियत खराब हो गयी। चिकित्सकीय जांच में पता चला कि उसे थैलेसीमिया मेजर नामक गंभीर आनुवांशिक बीमारी है। खून की कमी के कारण दिशान का शरीर लगातार कमजोर होता जा रहा था और उसे सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी थी। बैंगलोर के चिकित्सकों ने बोनमैरो इम्प्लांट की सलाह दी। इसमें 40 लाख रूपए का खर्च होने की बात जानकर परिजनों ने दिशान को बचा पाने की अपनी उम्मीद भी खो दी थी। ऐसी निराशा की घड़ी में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना दिशान के जीवन में आशा की एक किरण बन कर सामने आई। परिवार के आवेदन करने के 15 दिवस के भीतर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 18 लाख रूपए की राशि दिशान के पिता के खाते में अंतरित कर दी गयी। बैंगलोर के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज प्रारंभ हुआ। 6 माह के लम्बे चले उपचार के उपरांत दिशान ने अंततः थैलेसीमिया मेजर जैसी गम्भीर आनुवांशिक बीमारी को हरा दिया और अब वह पूरी तरह से स्वस्थ हो गया है। दिशान के स्वस्थ होने पर उनके परिजन बहुत ही खुश हैं। मासूम दिशान के चेहरे की मुस्कान अब लौट आयी है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ईलाज के लिए मिली आर्थिक सहायता के लिए दिशान एवं उसके परिजनों ने भावुक होते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को तहेदिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना नहीं होती तो आज शायद दिशान का ईलाज संभव नहीं हो पाता।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल का बेटा गिरफ्तार

» रेप मामले में चल रहा था फरार

रायपुर,07 अप्रैल 2023 (ए)। रेप मामले में लंबे समय से फरार चल रहे नेता प्रतिपक्ष के बेटे प्रकाश चंदेल को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के थोड़ी देर बाद ही उन्हें कोर्ट से अंतरिम जमानत भी मिल गई और उन्हें रिहा भी कर दिया गया। पलाश चंदेल पर जांजगीर थाना के अपराध क्रमांक 72/23 धारा 376, 313 भादवि एवं एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था। मामला दर्ज होने के बाद से ही पलाश चंदेल

फरार चल रहा था। इसी दौरान आरोपी ने हाईकोर्ट में अंतरिम बेल के लिए आवेदन किया। दो दिन पहले ही कोर्ट से पलाश चंदेल को अंतरिम जमानत मिली थी। आरोपी पलाश चंदेल की गिरफ्तारी दिनांक 6 अप्रैल को रात्रि में की गई थी। उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार अंतरिम जमानत की शर्तों के अनुरूप 25000 रु. के बंधपत्र एवं स्योरिटी पर रिहा किया गया है। पलाश चंदेल की गिरफ्तारी विवेचक चंद्रशेखर परमा उप पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई थी। आरोपी पलाश चंदेल से मोबाइल की भी जब्ती हुई है।

नारायण चंदेल के बेटे पलाश पर रायपुर महिला थाना में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद उनके घर पर पुलिस ने छापेमारी की थी लेकिन आरोपी कहीं नहीं मिला।

केंद्रांश मिलने के बाद अगर राज्य का हिस्सा 30 दिन में नहीं डाला तो लगेगा जुर्माना

रायपुर ,07 अप्रैल 2023(ए)। केंद्र और राज्य सरकार की हिस्सेदारी वाली योजनाओं में केंद्र से राशि मिलने के बाद यदि राज्य सरकार अपना हिस्सा देने में देरी करती है तो जुर्माना देना पड़ जाएगा।

7 प्रतिशत की दर से चुकाना होगा दांडिक ब्याज

केंद्र सरकार का यह नया कानून एक अप्रैल से लागू हो गया है, जिसके अनुसार राज्य सरकार द्वारा योजना के स्ह्र यानी सिंगल नोडल एजेंसी खाते में राशि डालने में 30 दिन से देरी होने पर 7त्न की दर से दांडिक ब्याज चुकाना होगा। केंद्रीय योजनाओं के कार्य सुचारू रूप से चल सकें और राज्य सरकारों की ओर से कोई कमजोरी न की जाए इसलिए यह सख्ती लागू की गई है। इसे लेकर राज्य के वित्त विभाग ने सभी विभागों को आगाह किया है।

पीएम आवास योजना पर बन चुकी है ऐसी स्थिति

छत्तीसगढ़ में पीएम आवास योजना (ग्रामीण) पर ऐसी स्थिति बन चुकी है, जब राज्य सरकार की ओर से राशि नहीं दिए जाने के कारण केंद्र ने अपना हिस्सा वापस ले लिया था। इस वजह से बड़े पैमाने पर पीएम आवास योजना के तहत बनने वाले आवास नहीं बन पाए। हाल ही में केंद्र ने ऐसी योजनाओं की जानकारी भेजी थी, जिसमें राज्य ने अपने हिस्से की राशि कमडाली थी।

फ्लाइट बंद होने के विरोध में बिलासपुर बंद

एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की मांग

बिलासपुर ,07 अप्रैल 2023(ए)। इंदौर की फ्लाइट बंद होने के चलते हवाई सेवा संघर्ष समिति द्वारा बिलासपुर शहर बंद कर विरोध जताया जा रहा। देश के ज्यादा से ज्यादा शहरों से विमान की कनेक्टिविटी के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रही हवाई सेवा संघर्ष समिति ने ये ऐलान किया है। बिलासपुर-इंदौर की फ्लाइट बंद होने से पहले भोपाल की फ्लाइट को बंद किया गया था। दिल्ली की फ्लाइट का किराया बढ़ाए जाने का भी विरोध किया जा रहा है। हवाई सेवा समिति के आह्वान पर शहर के सभी सामाजिक, व्यापारिक संगठनों समेत स्थानीय लोगों का समर्थन मिल रहा है।

व्यापारी संगठनों के समर्थन को देखते हुए शुक्रवार को बंद के पक्ष में शनिचरी, तिफरा सब्जी मंडी, बृहस्पति बाजार, बुधवारी बाजार, गोल बाजार, सदर बाजार, मुंगेली नाका, मंगला चौक सरकंडा, तेलीपारा और पुराना बस स्टैंड सहित शहर के विभिन्न इलाकों में मौजूद दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद है।

डिफ्यूज के दौरान आईईडी फटने से आरक्षक घायल

नारायणपुर ,07 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सर्चिंग के दौरान बहकेर के जंगल में जवानों ने आईईडी डिफ्यूज किया। यह मामला छोटे डोंगर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, नारायणपुर में सर्चिंग के दौरान जवानों ने बहकेर के जंगल में आईईडी डिफ्यूज किया। इस दौरान छत्तन के एक सहायक आरक्षक अंजोरी बघेल को चोट आ गई। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल नारायणपुर लाया गया। बताया जा रहा है कि, जवान की हालत खतरे से बाहर है।

वहीं बीजापुर में नक्सलियों के दक्षिण सब जोनल ब्यूरो की प्रवक्ता समता ने प्रेस नोट जारी कर जानकारी साझा की कि, पामेड़ में नक्सलियों को निशाना बनाकर जवान लगातार ड्रोन से हमला कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि, दक्षिण बस्तर के पामेड़ इलाके के भट्टिगुड़ा, कवरगट्टा, मीनागट्टा और जब्बागट्टा इलाके में सुबह 6 बजे से ड्रोन और हेलीकॉप्टर से बमबारी जारी है। इस हमले के लिए केंद्रीय गृहमंत्री मंत्री अमित शाह के दौरे को जिम्मेदार बताया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)